



## हरियाणा में कब होगी बारिश एक्टिव हो रहे दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस

मौसम विभाग ने जारी किया 4 मार्च तक का पूर्वानुमान

हिसार, एजेंसी। हरियाणा में 4 मार्च तक मौसम आमतौर पर सूखा रहने वाला है। हालांकि, मौसम के बदलते रहने की भी उम्मीद जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आने की उम्मीद है, लेकिन दोनों ही कमजोर हैं, जिससे बारिश की संभावना कम है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, हिसार के एग्रीकल्चरल मेटियोरोलॉजी डिपार्टमेंट के हेड डॉ. मदन खोचड़ ने बताया कि पहला वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, जिसके कुछ अंश से 28 फरवरी और 1 मार्च को राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम हवाएं चलने की संभावना है। वहीं दूसरा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस 3 मार्च की रात को आएगा, जिसके कुछ अंश से 4 मार्च को मौसम बदलने की संभावना है। इस दौरान हवाओं की दिशा बीच-बीच में बदलने के आसार हैं। इस दौरान तापमान में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखी जा सकती है।



## होली पर घर जाने की होड़, फरीदाबाद में उमड़ी कामगारों का भीड़; हरियाणा रोडवेज चलाएगा अतिरिक्त बसें



बल्लभगढ़, एजेंसी। होली चार मार्च को है। इसे लेकर औद्योगिक नगरी के कामगारों, जो मूल रूप से सीमावर्ती जिलों के निवासी हैं, ने अपने घरों के लिए जाना शुरू कर दिया है। किसी को अपने घर जाने में परेशानी का सामना न करना पड़े इसके ध्यान में रखते हुए हरियाणा रोडवेज ने राजा नाहर सिंह बस अड्डा बल्लभगढ़ से अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला लिया है। औद्योगिक नगरी होने के कारण यहां पर छोटी-बड़ी 30 हजार फेक्ट्री व वर्कशाप चल रही हैं। इनमें अलीगढ़, मथुरा, बुलंदशहर, आगरा, भरतपुर, अलवर, नूह, पलवल, गुरग्राम, सोनीपत जिले लाखों कामगार हैं। यह कामगार अपने परिवार या फिर अकेले यहां पर किराये पर रहते हैं। यह लोग दीवाली और होली के मौके पर अक्सर अपने घरों को जाते हैं। इसकी वजह से बल्लभगढ़ बस अड्डे पर जाने वालों की हजारों की संख्या में रोजाना भीड़ लगी रहती है।

**लटक कर सफर करने को होते हैं मजबूर** : कई बार यह लोग ड्रामागार बसों और कैब व अटैचड रूप से चल रही बस, कारों में बैठ कर जाते हैं। कई बार लोग बेठोके की जगह न मिलने के कारण रिड्डिक्यूलियर पर लटक कर या बसों की छतों पर बैठ कर जाते हैं। इन लोगों की परेशानी को देखते हुए हरियाणा रोडवेज ने राजा नाहर सिंह बस अड्डे इन क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया है।

## दिल्ली पुलिस को मिली तेजस की ताकत, क्राइम कंट्रोल के लिए सड़कों पर उतरे एआई वाले 'योद्धा'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने साउथ-ईस्ट दिल्ली में तेजस पेट्रोल नाम से एक नई पहल शुरू की है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल कमिश्नर मधुप तिवारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को साउथ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में एआई-पावर्ड तेजस हाईवे पेट्रोल फ्लीट को शरी झंझी दिखाई। इस अवसर पर मधुप तिवारी ने कहा कि हमने इन्फोर्स् नाम की एक पहल शुरू की है। इसमें खासकर रात में अक्सर पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के लिए योद्धा गाड़ियां तैयार की गई हैं। इनके जरिये हम इलाकों में डीए पेट्रोलिंग करेंगे। इनमें तस्कन लगा है और कई तरह ड्रिवाइस हैं, जो पेट्रोलिंग में हमारी मदद करेंगे... अभी के लिए, हमने 5 योद्धा गाड़ियां और मोटरसाइकिल तैयार की हैं।

**विजिबल पुलिसिंग को मजबूत करना मसकद** : एक अधिकारी ने बताया इस पहल का मकसद विजिबल पुलिसिंग को मजबूत करना, अपराध की रोकथाम को बढ़ाना और कमजोर इलाकों में तेजी से रेस्पॉन्स देना है। उन्होंने कहा कि यह पहल रूटीन पेट्रोलिंग से हटकर एक स्ट्रैटेजिक, इंटील्लिजेंस-लेड एरिया डीमिनेशन मॉडल की ओर बदलाव है, जिसे ऑर्टिफिशियल इंटील्लिजेंस टेक्नोलॉजी और रिथल-टाइम मॉनिटरिंग का सपोर्ट मिला है।

**मोबाइल कमांड यूनिट के तौर पर काम करेंगे खास चार पहिया वाहन** : इसके तहत खास चार पहिया वाहन मोबाइल कमांड यूनिट के तौर पर काम करेंगे, जबकि दो पहिया वाहन संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाली जगहों तक तेजी से पहुंच सुनिश्चित करेंगे।

**ऑटोमेटेड डैशबोर्ड के जरिये पेट्रोलिंग मूवमेंट पर नजर रहेगी**: पुलिस के मुताबिक, डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम ऑटोमेटेड डैशबोर्ड के जरिये पेट्रोलिंग मूवमेंट पर नजर रखेगा, जो स्पेशल कन्वेज और डिजिटल मॉनिटरिंग के ट्रेक करेगा ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। यह सिस्टम एआई-नेटो है और हॉटस्पॉट मैपिंग और डेटा-बेस्ड रिसेंस एंलोकेशन को आसान बनाएगा।

**आदतन अपराधियों पर कसेगा शिकंजा**: तेजस पेट्रोल टीम आदतन अपराधियों के खिलाफ संप्राप्त चेंकिंग और टारगेटेड ड्रइव भी चलाएगी। दिल्ली पुलिस का फोकस लगातार और अनप्रेडिक्टेबल विजिबिलिटी के जरिये रोकथाम पर है ताकि लोगों का भरोसा बढ़े और जिले में सड़क सुरक्षा बेहतर हो।

## पहले प्यार में मिला धोखा, फिर लिफ्ट देने वाले दरिंदे ने रेप कर ले ली जान; खौफनाक वारदात

जगतसिंहपुर, एजेंसी। ओडिशा के जगतसिंहपुर में दिल दहला देने वाली वारदात। प्रेमी के धोखे के बाद एक अनजान युवक ने लिफ्ट के बहाने 23 वर्षीय युवती से दुष्कर्म किया और पुलिस से शिकायत की धमकी देने पर उसे चौथी मंजिल से फेंक दिया। पूरी खबर पढ़ें। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में एक 23 वर्षीय युवती के साथ दरिंदगी और हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में युवती के प्रेमी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने युवती को धोखा दिया, उसके साथ रेप किया और फिर उसे एक मकान की चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक अक्रित कुमार वर्मा ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए प्रेमी की उम्र 31 साल है। वहीं दूसरा आरोपी 24 साल का है, जो मूल रूप से झारखंड के धनबाद का रहने वाला है और पारादीप की एक निजी कंपनी में काम करता है।

**शादी का झांसा और प्रेमी का धोखा** : पुलिस के अनुसार, घटना की शुरुआत रविवार को हुई जब युवती अपने प्रेमी के साथ शादी करने के लिए तिरतोल स्थित एक मंदिर गई थी। लेकिन वहां प्रेमी ने उसे धोखा दे दिया। सुनसान जगह का फायदा उठाते हुए उसने कथित तौर पर युवती के साथ मारपीट की और उसे एक बस स्टैंड पर अकेला छोड़कर वहां से फरार हो गया।

**लिफ्ट के बहाने ले गया और किया रेप** : रविवार शाम के समय, नशे में धुत झारखंड निवासी दूसरे आरोपी ने बस स्टैंड पर अकेली खड़ी युवती को अपनी मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने की पेशकश की। अनजान शहर में परेशान युवती ने उस पर भरोसा कर लिया और उसके साथ चली गई। आरोपी उसे अपने किराए के मकान में ले गया और वहां उसके साथ कथित तौर पर रेप किया। एफआईआर की धमकी देने पर की हत्या जब युवती ने इस दरिंदगी के खिलाफ पुलिस में प्रार्थमिकी दर्ज कराने की धमकी दी, तो आरोपी घबरा गया और उसने युवती को इमारत की चौथी मंजिल से नीचे धकेल दे दिया। फिर में गंभीर चोटें आने के कारण युवती की दर्दनाक मौत हो गई। सोमवार तड़के उसका शव बरामद किया गया, जिस पर चोट के कई गहरे निशान मौजूद थे।

# फरीदाबाद के बाटा आरओबी की जर्जर सड़क पर काम अब भी शुरू नहीं, पीडब्ल्यूडी के आश्वासन से लोग परेशान

बल्लभगढ़ (फरीदाबाद), एजेंसी। एक सप्ताह और बीत गया है। औद्योगिक नगरी के प्रवेश द्वार बाटा रेलवे ओवरब्रिज पर सड़क बनाने का काम शुरू नहीं हो पाया। लोक निर्माण विभाग (बीएडआर) पहले की तरह से आश्वासन के बाद भी काम शुरू नहीं किया। दो महीने से विभाग लगातार काम शुरू करने की तारीख दे रहा है, किंतु तारीख पर तारीख के बाद नहीं शुरू हो रहा है तो निर्माण कार्य, जिसकी नितांत आवश्यकता है।

अब तो यहां से निकलने वाले हजारों वाहन चालकों का विभागीय अधिकारियों पर से विश्वास उड़ता जा रहा है। यह हाल तब है जब नवंबर-2025 में 70 लाख का टेंडर खोड़ा जा चुका है। बाटा आरओबी को पीडब्ल्यूडी ने 2000 में बनवाया था। इसके बाद विभाग ने 2008 में एक बार सड़क बनाई थी। तब से विभाग ने सड़क के गड्ढों पर पैचवर्क तो किया, लेकिन कभी पूरी तरह से सड़क बनी हो, ऐसा दिन देखने को नहीं मिला। तीन विधानसभा क्षेत्रों बड़खल, बल्लभगढ़ व एनआइटी को जोड़ने वाला यह पुल औद्योगिक नगरी एनआइटी का प्रवेश द्वार



है। और दिलचस्प बात यह है कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों के विधायक भाजपा से हैं, उसके बावजूद महत्वपूर्ण सड़क नहीं बन पा रही। सड़क पर गहरे व चौड़े गड्ढे हो गए हैं। दिन में तो बचते-बचते इधर उधर से वाहन चालक निकल जाते हैं, पर स्ट्रीट लाइट न होने की वजह से रात के अंधेरे में वाहनों को गड्ढों से निकलने में दिक्कत होती है।

**बाटा आरओबी से आते-जाते हैं इन क्षेत्रों के लोग**: एनआइटी नंबर-एक, दो, इंडस्ट्रियल एरिया, सारन, जवाहर कालोनी, डबुआ कालोनी, डबुआ गांव, पर्वती कालोनी, प्रेस कालोनी, सेक्टर सात, आठ, नौ, 10 और 11 के लोग बाटा आरओबी से आवागमन करते हैं। बाटा आरओबी की सड़क में बनने गड्ढों से हजारों वाहन चालक

## दिल्ली में किराड़ी की समस्या का होगा समाधान

200 करोड़ में बनेंगे दो नाले



बाहरी दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को 'प्रवास कार्यक्रम' के तहत उत्तर-पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के लोगों के बीच पहुंची और सरकार के पिछले एक वर्ष के कामों का वार्षिक रिपोर्ट कार्ड साझा किया। उन्होंने कहा कि अगले 27 साल तक दिल्ली सरकार बनाए रखने के लिए दिल्ली की जो सेवा करनी है, उसके लिए लगातार काम करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री किराड़ी की जल निकासी के लिए अहम घोषणा की, कहा- किराड़ी में दो ड्रेन बनाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि एक ड्रेन पर 120 करोड़ व दूसरी पर 64 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शुक्रवार को रहेगी सेक्टर-32 ग्राउंड में

आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनी सरकार के एक साल के कार्यकाल के दौरान किए विकास कार्यों को गिनया और साथ ही आने वाले समय में होने वाले कार्यों के बारे में लोगों को अवगत कराया।

**सीवर की लाइन पर भी चल रहा काम** : उन्होंने कहा कि सरकार कोशिश की है, दिल्ली के सभी गांव बसों से जोड़ा जाए। अभी चार हजार बसें हैं, इस संख्या को 14 हजार तक पहुंचाया जाएगा। वर्षों से जो सड़कें टूटी पड़ी थीं, वहां आज नई सड़कें बन रही हैं। पानी की पाइप लाइन, सीवर की लाइन पर भी काम चल रहा है। वहीं, घेवर में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के लिए काम शुरू कर दिया है। नए

मास्टर प्लान का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। सरकार जल्द ही नया मास्टर प्लान घोषित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली अब सिर्फ विज्ञानों तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीन पर असली विकास हो रहा है। उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह क्षेत्र लंबे समय तक उपेक्षित रहा। लेकिन पिछले एक साल में भाजपा सरकार ने 'अंत्योदय से ग्रामोदय' के लक्ष्य के साथ यहां विकास की ठोस शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि वे मुंडका, बवाना, नरला, किराड़ी और सुल्तानपुर माजरा जैसे ग्रामीण इलाकों में आती हैं तो उन्हें अपने परिवार के बीच होने का अनुभव होता है। उन्होंने बताया कि इस दौरान क्षेत्र में सड़क, पानी और सीवेज जैसी बुनियादी सुविधाओं का युद्धस्तर पर विस्तार किया गया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नए प्रोजेक्ट्स को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मुंडका विधानसभा क्षेत्र के लिए 264 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाना यहां के लिए बड़ी सीगात है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उत्तर-पश्चिमी दिल्ली की 10 विधानसभाओं में भले ही कुछ क्षेत्रों का नेतृत्व विपक्ष कर रहा हो।

## इटली के मिलान में पटरी से उतरी ट्राम, दुकान में घुसी, हादसे में दो लोगों की मौत



**मिलान, एजेंसी।** इटली के मिलान में शुक्रवार को एक ट्राम के पटरी से उतरने से बड़ा हादसा हो गया। बेपटरी होने के बाद ट्राम एक इमारत से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। शहर के मेयर ग्यूसेपे सल्ला ने घटनास्थल पर पहुंचकर बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति ट्राम के पटरी से उतरने के दौरान उसकी चपेट में आ गया, जबकि दूसरा पीड़ित एक यात्री था। हादसे के बाद कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने सदमे में आए यात्रियों को

आपातकालीन कंबलों में लपेट दिया, जबकि एंबुलेंस गंभीर रूप से घायल लोगों को अस्पताल ले गईं। इटली की प्रधानमंत्री जोर्जिया मेलेनी ने हादसे के बाद मृतकों के लिए अपनी संवेदना व्यक्त की। **चालक ने ट्रैक स्विक्र को नहीं किया था सक्रिय** : मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि चालक ने ट्रैक स्विक्र को सक्रिय नहीं किया था। यह भी बताया गया है कि दुर्घटना से पहले चालक लाइन के अंतिम स्टॉप से भी आगे निकल गया था। द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार एक प्रत्यक्षदर्शी

ने बताया कि एक आदमी ट्राम के नीचे फंसा था, जिसका हाथ ट्राम के नीचे आ गया था। मुख्य जांचकर्ता अभियोजक मार्सेलो वियोला ने कहा कि ट्राम के बेपटरी होकर इमारत में घुसने की वजह से बिल्डिंग पर काफी प्रभाव पड़ा है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कारणों के चलते फिलहाल इमारत को खाली करा लिया गया है। सला के अनुसार पीड़ितों में से एक 60 वर्ष से अधिक आयु के इटली के नागरिक थे, जबकि दूसरा एक विदेशी नागरिक था जो शहर में रहता था।

**प्रारंभिक जांच में हादसे की क्या वजह आई सामने**: उन्होंने आगे कहा, ऐसा नहीं लगता कि यह कोई तकनीकी समस्या थी, बल्कि यह झड़प से संबंधित थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने मीडिया को बताया कि ट्राम तेज गति से चल रही थी। लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या वह ट्राम के लिए निर्धारित 50 किलोमीटर (31 मील) प्रति घंटे की गति सीमा का उल्लंघन कर रही थी।

## जेएनयू में संग्राम: छात्रों ने कुलपति का पुतला फूंका, कैंपस के बाहर हाई सिक्योरिटी अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय एक बार फिर से सुर्खियों में है। जेएनयू वाइस चांसलर के कथित जातिवादी कमेंट्स और यूजीसी रेगुलेशन लागू करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद माहौल गरमाया हुआ है। उधर, छात्रों को हिरासत और गिरफ्तार करने के विरोध में एक बार फिर जेएनयू के बाहर माहौल गरमाया हुआ है।



वहीं, रात में छात्र कुलपति का पुतला जलाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से मौके पर हाई सिक्योरिटी कर दी गई। इसके बावजूद भी छात्रों ने कुलपति का पुतला फूंक दिया। जेएनयू परिसर के बाहर प्रदर्शन को लेकर झड़प मामले में पुलिस ने छात्र संघ अध्यक्ष समेत 14 छात्रों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने छात्रों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, चोट पहुंचाने आदि धाराओं में केस दर्ज किया था। बता दें कि पकड़े गए छात्रों में जेएनयू छात्रसंघ अध्यक्ष

अदिति मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष नीतीश कुमार, उपाध्यक्ष गोपिका के बाबू व संयुक्त सचिव दानिश अली आदि शामिल हैं। **पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया** : पुलिस ने पकड़े गए छात्रों को शुक्रवार को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को 25-25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी गई। पुलिस के मुताबिक, जेएनयू छात्रसंघ ने गुरुवार को विरोध मार्च का आह्वान किया था। छात्र जेएनयू से शिक्षा मंत्रालय तक विरोध मार्च निकालना चाहते थे।

करीब 400 से 500 छात्र परिसर के बाहर निकल आए। छात्रों को बताया गया कि जेएनयू प्रशासन की तरफ से इस तरह के विरोध मार्च की अनुमति नहीं है। इसलिए वह कैंपस तक सीमित रहें। पुलिस द्वारा लगातार बातचीत और अपील करने के बाद भी छात्र विरोध मार्च निकालने पर अड़े रहे। रोकें जाने पर छात्रों ने बैरिकेड्स को नुकसान पहुंचाया। पुलिसकर्मियों पर बैनर, डंडे व चपल फेंकी गईं। पुलिस वालों से मारपीट करने के अलावा उन्हें दांत से भी काटा गया।

## अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान के समर्थन में उतरे ट्रंप शहबाज और मुनीर की शान में पढ़े कसीदे

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने पाकिस्तानी पीएम और सेना प्रमुख की जमकर तारीफ की और कहा कि इस संघर्ष में मैं हस्तक्षेप करूंगा, लेकिन पाकिस्तान इस समय बहुत अच्छा कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर जरूरत पड़े तो अमेरिका इस मामले में दखल देने के लिए तैयार है। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि उनके पाकिस्तान के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं।



**मैं हस्तक्षेप करूंगा, लेकिन...** : ट्रंप ने कहा, मैं हस्तक्षेप करूंगा, लेकिन मेरे पाकिस्तान के साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं। वहां के प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख दोनों ही शानदार नेता हैं। मैं उन दोनों का बहुत सम्मान करता हूँ। पाकिस्तान इस समय बहुत अच्छा कर रहा है। अमेरिकी

राष्ट्रपति के इस बयान को क्षेत्रीय राजनीति के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। **पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर तनाव** : बता दें कि हाल के दिनों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर तनाव बढ़ा है। दोनों देशों के बीच सीमावर्ती इलाकों में झड़पों की खबरें सामने आई हैं। ऐसे में अमेरिका की भूमिका को लेकर सवाल उठ भी रहे थे। ट्रंप के इस बयान से संकेत मिलता है कि अमेरिका स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने

अपने बयान में पाकिस्तान के नेतृत्व की तारीफ करते हुए यह भी कहा कि वहां की सरकार और सेना के साथ उनका अच्छा तालमेल है। उन्होंने पाकिस्तान की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को लेकर भी सकारात्मक टिप्पणी की। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का यह बयान एक संतुलित संदेश है। एक तरफ उन्होंने हस्तक्षेप की संभावना जताई, तो दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ अपने मजबूत संबंधों को भी उजागर किया। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि अमेरिका इस क्षेत्रीय विवाद में कितनी सक्रिय भूमिका निभाता है।

# चिंताजनक: अंटार्कटिका में अब तक का तेज ग्लेशियर पतन

60 दिनों में आठ किमी पीछे हटा; आधी बर्फ ढही-बढ़ रहा खतरा



लंदन, एजेंसी। अंटार्कटिका के हेक्टोरिया ग्लेशियर में 2023 में मात्र 60 दिनों में 8 किलोमीटर की अभूतपूर्व

और वैश्विक समुद्र स्तर में संभावित वृद्धि की ओर इशारा करती है। अंटार्कटिका के इस्टर्न पेनिंसुला में स्थित हेक्टोरिया ग्लेशियर ने वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। वर्ष 2023 में मात्र दो महीनों के भीतर यह ग्लेशियर करीब 8 किलोमीटर पीछे हट गया और इसकी लगभग आधी बर्फ टूटकर समुद्र में समा गई। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर के नेतृत्व में हुए और जर्नल नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार इस अभूतपूर्व पतन के पीछे समुद्र के नीचे मौजूद समतल बेडरॉक की भूमिका निर्णायक रही, जिसने इसके अनाक तैरने और नीचे से दफनने की स्थिति पैदा कर दी। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि इसी तरह की

परिस्थितियां बड़े ग्लेशियरों के नीचे पाई गईं तो वैश्विक समुद्र स्तर में अपेक्षा से कहीं तज वृद्धि हो सकती है। आधुनिक समय में दर्ज सबसे तेज ग्लेशियर रिट्रीट को घटनाओं में शामिल इस मामले में हेक्टोरिया ग्लेशियर ने केवल 60 दिनों में लगभग 8 किलोमीटर बर्फ खो दी। अंटार्कटिका के मानकों के अनुसार यह ग्लेशियर अपेक्षाकृत छोटा है और इसका क्षेत्रफल लगभग 115 वर्ग मील है, जो अमेरिकी शहर फिलाडेल्फिया के आकार के बराबर है। फिर भी वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि यदि इससे कहीं बड़े ग्लेशियरों में इसी तरह की प्रक्रिया सक्रिय हुई तो इसके वैश्विक समुद्र स्तर पर गंभीर प्रभाव डूंक सकता है। इस शोध का नेतृत्व यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर की शोधकर्ता नाओमी ओचवाट ने किया, जो

साईसेज (सीआईआरईएस) की पोस्ट डॉक्टरल रिसर्चर हैं। भूवैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि 15,000 से 19,000 वर्ष पहले भी ऐसे समतल क्षेत्रों पर स्थित ग्लेशियर असाधारण गति से पीछे हटे थे, कभी-कभी सैकड़ों मीटर प्रतिदिन। जब टाइडल्वर ग्लेशियर पतला होता है, तो वह समुद्र तल से उठकर पानी की सतह पर तैरने लगता है।

**दुर्लभ कैल्विंग प्रक्रिया और श्रृंखलाबद्ध टूटन** : समतल बेडरॉक के कारण ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा लगभग एक साथ जमीन से उठ सकता है। एक बार तैरने के बाद बर्फ सीधे समुद्री ताकतों के संपर्क में आ गई।



## आफत से राहत: ट्रायल कोर्ट के फैसले से आप को प्राणवायु

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिंसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि

चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिंसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से

खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस

बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल

कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटर्स को अपने पाक-साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी कि

केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है। बहरहाल, इन आरोपों के बीच स्वच्छ शासन का वादा करते हुए भाजपा ने 26 वर्ष के लंबे अंतराल पर दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी, जबकि आप दूसरे स्थान पर रही थी। दिल्ली विधानसभा में मिली शिकस्त के बाद ही आप के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा ध्यान पंजाब पर लगाया था। आज पंजाब ही ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी की सरकार बची है।

### संपादकीय

### समानता (रंग,जाति और धर्म से परे) का संकल्प: शून्य भेदभाव की ओर बढ़ते कदम।

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 1 मार्च को शून्य भेदभाव दिवस (जीरो डिस्क्रिमिनेशन डे) मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य समाज में समानता (कानून और व्यवहार दोनों स्तरों पर) आपसी सम्मान तथा भेदभाव-मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना है। सरल शब्दों में कहे तो इसका लक्ष्य भेदभावपूर्ण कानूनों और सामाजिक धारणाओं को समाप्त करना है। प्रारंभ में यह दिवस एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों के विरुद्ध होने वाले भेदभाव पर केंद्रित था, परंतु समय के साथ यह रंग, धर्म, शारीरिक बनावट, लैंगिक पहचान और अन्य सभी प्रकार के भेदभावों के विरुद्ध एक वैश्विक आंदोलन का रूप ले चुका है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा सक्रिय रूप से मनाया जाता है।

यहां पर यह उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत यूएन-एड्स द्वारा की गई थी। यूएन-एड्स, अर्थात् जॉइंट यूनाइटेड नेशंस प्रोग्राम ऑन एचआईवी/एड्स, संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसकी स्थापना वर्ष 1996 में एचआईवी/एड्स महामारी से निपटने के लिए की गई थी। पाठकों को बताता चर्च कि इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है। यह संगठन विश्वभर में एचआईवी संक्रमण की रोकथाम, संक्रमित लोगों को उपचार और देखभाल उपलब्ध कराने तथा इस रोग से जुड़े भेदभाव और सामाजिक कलंक को समाप्त करने के लिए कार्य करता है। साथ ही, यह विभिन्न देशों की सरकारों को नीतियां बनाने, जागरूकता अभियान चलाने और वर्ष 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के वैश्विक लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करता है।

यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर दृष्टि डालें तो इसकी घोषणा दिसंबर 2013 में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर की गई थी और पहली बार इसे 1 मार्च 2014 को मनाया गया। इसकी पहलू यूएन-एड्स के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक मिशेल सिदिबे ने की थी।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। स्पष्ट रूप से कहे तो सभी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए, सभी के अधिकारों की रक्षा करें इसकी वास्तविक और आधिकारिक थीम है, जो विशेष रूप से उन भेदभावपूर्ण कानूनों को हटाने पर बल देती है जो लोगों को उपचार और सम्मान से वंचित करते हैं। दूसरी ओर, पीपल फ्रंट्स का नारा मूल रूप से विश्व एड्स दिवस (1 दिसंबर) के अभियान से जुड़ा है। चूंकि दोनों अभियानों का नेतृत्व यूएन-एड्स ही करता है, इसलिए कई बार सोशल मीडिया और इंटरनेट पर इन नारों को एक-दूसरे से धूमिल कर दिया जाता है। निष्कर्षतः 1 मार्च के शून्य भेदभाव दिवस की आधिकारिक थीम अधिकारों और स्वास्थ्य की रक्षा पर केंद्रित है, जबकि पीपल फ्रंट्स एक व्यापक मानवीय दृष्टिकोण का प्रतीक है।

इस दिवस का प्रतीक तितली (बटरफ्लाई) है, जो परिवर्तन और कायाकल्प का संदेश देती है। तितली रूपांतरण (ट्रांसफॉर्मेशन) का प्रतीक है। जिस प्रकार एक तितली अपने कोकून से निकलकर पूर्ण रूप से परिवर्तित हो जाती है और अपनी सुंदरता से संसार को आकर्षित करती है, उसी प्रकार समाज को भी भेदभाव की पुरानी मानसिकता त्यागकर समानता और समावेशन की नई सोच अपनानी चाहिए। यह दिवस केवल एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में व्याप्त भय, भ्रांतियों और कलंक को दूर करने का भी संदेश देता है। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और एलजीबीटीक्यू (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर और क्वीयर) समुदाय के अधिकारों की सुरक्षा पर बल दिया जाता है, क्योंकि ये वर्ग अक्सर स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और रोजगार के अवसरों में असमानता का सामना करते हैं। यह दिवस लोगों को यह समझाने का प्रयास करता है कि एचआईवी/एड्स सामाजिक संपर्क से नहीं फैलता तथा समय पर जांच, परामर्श और उपचार से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। निष्कर्षतः, शून्य भेदभाव दिवस समाज में समानता, सम्मान और मानवाधिकारों की भावना को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह हमें सिखाता है कि जाति, लिंग, धर्म, भाषा या स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करना अमानवीय है। समान अवसर, न्याय और गरिमा प्रत्येक व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। तो आइए, हम सब मिलकर ऐसा समाज बनाने का संकल्प लें, जहाँ हर व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर प्राप्त हो।

(युवा साहित्यकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## अग्रिम जमानत : कल, आज और कल : एक जनहितकारी शोध

अधिवक्ता डी.सी. सागर  
(पूर्व विशेष पुलिस महानिदेशक, भारतीय पुलिस सेवा, पुलिस वीरता पदक के प्रथम बार से सम्मानित)

भारत का कानूनी परिदृश्य स्वतंत्रता के बाद से अपने सबसे महत्वपूर्ण बदलावों के दौर से गुजर रहा है। जैसे-जैसे हम औपनिवेशिक युग के ढांचे से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की ओर बढ़ रहे हैं, अग्रिम जमानत की अवधारणा हमारे अतीत के संघर्षों और भविष्य की डिजिटल न्याय प्रणाली के बीच एक सेतु के रूप में खड़ी है। एक पुलिस अधिकारी के रूप में अग्रिम मोर्चे पर सेवा देने और अब बार का हिस्सा होने के नाते, मैं अग्रिम जमानत को केवल एक प्रक्रियात्मक माध्यम नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण संवैधानिक ढाल मानता हूँ, जो आपराधिक न्याय तंत्र को उत्पीड़न का उपकरण बनने से रोकती है।

**बीता हुआ कल: स्वतंत्रता की ऐतिहासिक नींव** मनमाने ढंग से हिरासत में लिए जाने के खिलाफ स्वतंत्रता की खोज उतनी ही पुरानी है जितनी कि सभ्यता। प्राचीन भारत में, कौटिल्य के अर्थशास्त्र ने जमानत पर रिहाई की अवधारणा को मान्यता दी थी, यह स्वीकार करते हुए कि राज्य की हिरासत में लेने की शक्ति सामाजिक गारंटी द्वारा नियंत्रित होनी चाहिए। कौटिल्य ने यह कहा था कि किसी भी व्यक्ति को तब तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता जब तक कि उसके खिलाफ पर्याप्त प्रमाण नहीं हो। इस दृष्टिकोण से, भारतीय परंपराओं में ही नागरिकों की स्वतंत्रता का बहुत सम्मान था। इसी तरह, इंग्लैंड में 1215 के मैग्ना कार्टा ने बंदी प्रत्यक्षीकरण के सिद्धांत की नींव रखी, यह सुनिश्चित करते हुए कि किसी भी स्वतंत्र व्यक्ति को कानून के उचित पालन के बिना पकड़ा या कैद नहीं किया जाएगा। यह सिद्धांत बाद में आधुनिक कानूनी व्यवस्थाओं में व्याप्त हुआ, जिससे व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा की जा सके।

ब्रिटिश शासन के तहत हालांकि दंड प्रक्रिया संहिता 1898 लागू हुई, जो उस समय औपनिवेशिक नियंत्रण को अधिक सशक्त करने का एक प्रयास था। इसमें जमानत का प्रावधान था, लेकिन अग्रिम

जमानत का कहीं उल्लेख नहीं था। ब्रिटिश राज के दौरान गिरफ्तारी का उपयोग अक्सर राजनीतिक उत्पीड़न और व्यक्तिगत प्रतिशोध के उपकरण के रूप में किया जाता था। गिरफ्तारी का कलंक जो किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को तब भी बर्बाद कर सकता है जब वह बाद में बरी हो जाए अक्सर शिकायतकर्ता का प्राथमिक लक्ष्य होता था। ऐसे में अग्रिम जमानत की अवधारणा की आवश्यकता महसूस होती थी, ताकि गिरफ्तारी का दुरुपयोग रोका जा सके।

**1973 में बदलाव की लहर:** CrPC की धारा 1973 में भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता में एक बड़ा बदलाव आया। विधि आयोग की 41वीं रिपोर्ट के आधार पर, गिरफ्तारी की आशंका में अग्रिम जमानत की प्रक्रिया का प्रारंभ हुआ। यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए था कि पुलिस अपनी शक्तियों का दुरुपयोग न करें और निर्दोष व्यक्ति को बिना किसी ठोस आधार के जेल में न डाला जाए। इस बदलाव के परिणामस्वरूप, CrPC की धारा 438 अस्तित्व में आई, जो यह अधिकार प्रदान करती है कि किसी व्यक्ति को उसके खिलाफ आरोप तय होने से पहले जमानत मिल सकती है। इस प्रावधान ने भारतीय न्याय प्रणाली में जमानत की नई धाराओं को खोला, जिसमें अदालतों को यह विवेकाधिकार था कि वह बिना गिरफ्तारी को आरोपी को जमानत दे सके। यह धारा न केवल नागरिकों को आत्मनिर्णय का अधिकार देती थी, बल्कि उन्हें पुलिस उत्पीड़न से भी बचाती थी।

**आज: समकालीन कानूनी ढांचा और BNSS 2023** आज हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के लागू होने के साथ, अग्रिम जमानत का वैधानिक स्थान CrPC की धारा 438 से बदलकर BNSS की धारा 482 हो गया है। हालांकि नाम बदल गया है, लेकिन प्रावधान की आत्मा वही है यह उच्च न्यायापालिका में निहित एक विवेकाधीन शक्ति है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कानून की प्रक्रिया ही प्रताड़ना की प्रक्रिया न बन जाए। BNSS, 2023 ने अग्रिम जमानत की प्रक्रिया को अधिक सुसंगत और पारदर्शी बनाया है, जिससे अदालतों को ज़्यादा शक्तियां मिली हैं।

## मेडिकल नशे की बढ़ती प्रवृत्ति: एक छिपता हुआ सामाजिक संकट

संदीप द्विवेदी

संपादक

दैनिक मीडिया ऑडिटर

समाज में नशे की समस्या कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में एक नया और अधिक खतरनाक रूप सामने आया है मेडिकल नशा। यह वह स्थिति है जब उपचार के लिए बनाई दवाओं का उपयोग नशा प्राप्त करने के उद्देश्य से किया जाने लगता है। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से युवाओं के बीच तेजी से बढ़ रही है और एक गंभीर सामाजिक एवं स्वास्थ्य संकट का रूप लेती जा रही है। मेडिकल नशे में मुख्य रूप से

दर्दनाशक दवाइयों को डीन युक्त कफ सिरप नींद की गोलियां, एंटी एंजायटी दवाएं और कुछ मनोचिकित्सकीय औषधियां शामिल हैं।

इन दवाओं का सीमित और चिकित्सकीय उपयोग सुरक्षित हो सकता है, लेकिन जब इन्हें बिना डॉक्टर की सलाह या निर्धारित मात्रा से अधिक लिया जाता है, तो ये शरीर और मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव डालती हैं। शुरुआत अक्सर तनाव, अवसाद, पढ़ाई का दबाव या दोस्तों के प्रभाव से होती है। कई युवा इसे सुरक्षित नशा समझकर प्रयोग करते हैं, क्योंकि यह

अवैध पदार्थों की तुलना में आसानी से उपलब्ध होता है। मेडिकल नशे का सबसे बड़ा खतरा इसकी भ्रामक छवि है। चूंकि ये दवाइयों मेडिकल स्टोर पर मिलती हैं, इसलिए लोग इनके दुष्प्रभावों को गंभीरता से नहीं लेते। कई बार बिना पर्ची के दवाओं की बिक्री भी इस समस्या को बढ़ावा देती है।

धीरे धीरे व्यक्ति इन दवाओं का आदी हो जाता है। शरीर में सहनशीलता विकसित होने के कारण समान प्रभाव के लिए अधिक मात्रा की आवश्यकता खतरा बढ़ जाता है। इसके

शारीरिक दुष्प्रभाव अत्यंत गंभीर हो सकते हैं। अत्यधिक सेवन से लीवर और किडनी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, हृदय गति अनियमित हो सकती है, मानसिक संतुलन बिगड़ सकता है और स्मरण शक्ति कमजोर हो सकती है। लंबे समय तक दुरुपयोग अवसाद, चिंता विकार और आत्मघाती प्रवृत्तियों को भी जन्म दे सकता है। कई मामलों में ओवरडोज के कारण मृत्यु तक हो जाती है। सामाजिक स्तर पर भी मेडिकल नशा विनाशकारी सिद्ध हो रहा है। परिवारों में तनाव, आर्थिक कठिनाइयां, पढ़ाई और रोजगार

में गिरावट, तथा अपराधिक गतिविधियों में वृद्धि इसके दुष्परिणाम हैं। नशे की लत व्यक्ति को सामाजिक रूप से अलग धलंग कर देती है और उसका आत्मविश्वास तथा सम्मान दोनों प्रभावित होते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए बहुआयामी प्रयासों की आवश्यकता है।

सरकार को दवाओं की बिक्री पर सख्त नियंत्रण और निगरानी सुनिश्चित करनी चाहिए। बिना पर्ची दवाएं बेचने वाले मेडिकल स्टोरों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, स्कूलों और कॉलेजों में

जागरूकता कार्यक्रम चलाकर युवाओं को इसके खतरों से अवगत कराना आवश्यक है। अभिभावकों को भी बच्चों के व्यवहार में आए बदलावों पर सतर्क रहना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण है कि नशे को अपराध नहीं, बल्कि स्वास्थ्य समस्या के रूप में देखा जाए। परामर्श, मनोचिकित्सकीय सहायता और पुनर्वास केंद्रों की उपलब्धता बढ़ानी होगी। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो मेडिकल नशा हमारी युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य, भविष्य और समाज की स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

## एक नासमझ की नस्ली टिप्पणी से पूर्वोत्तर तक पीड़ा

नई दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश की तीन लड़कियों के साथ कथित नस्लीय टिप्पणी और अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। एयर कंडीशनर लगाने को लेकर शुरु हुआ एक मामूली पड़ोसी विवाद देखते ही देखते गंभीर आरोपों में बदल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है यह कोई पहली बार नहीं है कि पूर्वोत्तर भारत के लोगों के साथ उनकी शारीरिक बनावट व संस्कृति को लेकर कहीं शेष देश में अभद्रता की गई हो। यहां तक कि एक बार तो पूर्वोत्तर के एक मुख्यमंत्री प्रेस वार्ता में यह कहते रो पड़े थे कि उन्हें भारतीय तक नहीं समझा जाता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

बीते साल मई में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर को हमारे विविधता के राष्ट्र में सबसे विशिष्ट क्षेत्र बताया था। लेकिन दुखद तथ्य यह है कि कुछ ताकतें इन टिप्पणी को तूल देकर बात का बर्ताव बना कर पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के दिलों में विष वमन करने के लिए लगी रहती है। हालांकि कई बार इन राज्यों के लोग अक्सर नस्लीय भेदभाव का शिकार होते हैं लेकिन यह राज्य की कानून व्यवस्था से जुड़े मामले होते हैं जिन्हें नस्लीय भेदभाव से जोड़ कर अलगाव की फसल पैदा करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। कुछ समय पूर्व देहरादून में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के दो महीने से भी कम समय बाद, अब दिल्ली में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं को उनके पड़ोसियों ने कुत्सित शब्द धधेवाली से संबोधित किया और मोमो बेचने को कहा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उन्हें अपने ही देश में, और वह भी देश की राष्ट्रीय राजधानी में बेगाना करार दे दिया गया। विडंबना यह है कि यह अभद्रता किसी झगड़े या आवेश की प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि यह पहचान और जातीयता पर लक्षित हमला था। इस घटनाक्रम के बाद एक व्यक्ति और उसकी पत्नी पर धर्म, जाति व जन्मस्थान आदि के आधार पर कटुता फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा अन्य आरोप भी लगाए गए हैं। निस्संदेह, इस दंपति के आपत्तिजनक व्यवहार ने



एक गहरे जखम को ही उजागर किया है, जो सबका साथ, सबका विकास की अवधारणा को सिरे से खारिज करने वाली सोच है। साल 2014 में नींदो तानिया की हत्या से लेकर 2025 में अंजेल चकमा की हत्या तक, यह दुराग्रहों का सिलसिला साफ नजर आता है। अक्सर आरोप लगाये जाते रहे हैं कि पूर्वोत्तर के छात्रों व श्रमिकों को उनकी शारीरिक बनावट, खान-पान और भाषा के आधार पर निशाना बनाया जाता है। यह विडंबना ही है कि कुछ संकीर्ण लोग भारत की समृद्ध विविधता की विरासत का मर्म नहीं पहचानते हैं। किसी राज्य की भौगोलिक स्थिति, जलवायु व सदियों से चली आ रही संस्कृति हमारे रूप-रंग-भाषा व व्यवहार का

निर्धारण करती है। कोस-कोस पर भाषा-पानी बदलने वाले देश की यह विविधता इसकी सिरे से खारिज करने वाली सोच है। इसके मर्म का सम्मान करना व अंगीकार करना हर भारतीय का दायित्व भी है। पूर्वोत्तर इलाकों का परिवेश व जलवायु व्यक्ति के सरल, सहज, सौम्य व्यवहार व कद-काठी का भी निर्धारण करती है। पूर्वोत्तर समाज में स्त्री प्रधान पारिवारिक व्यवस्था तथा सार्वजनिक जीवन में उसकी महती भूमिका को शेष देश के लोगों द्वारा संशय से देखा जाता है। फलतः परस्पर विश्वास की इस सामाजिक व्यवस्था में स्त्री की भूमिका को लेकर नकारात्मक धारणाएं गढ़ ली जाती हैं। यही वजह है कि पूर्वोत्तर के लोगों द्वारा आरोप

लगाया जाता कि उनकी महिलाओं को शक की नजर से देखा जाता है और उन पर बिना किसी आधार के अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप तक लगाए जाते हैं। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी क्षेत्रीय पहचान को लेकर किए जाने वाले किसी भेदभाव के प्रति अक्सर चेतावनी है।

मौजूदा घटना क्रम में अरुणाचल प्रदेश की रहने वाली तीन युवतियां अपने किराए के फ्लैट में एसी लगवा रही थीं। इंस्टॉलेशन के दौरान ड्रिलिंग से उठी धूल-मिट्टी नीचे वाले फ्लैट की ओर गिर गई। नीचे रहने वाली पड़ोसी महिला ने इस पर आपत्ति जताई। शुरुआत में यह सामान्य पड़ोसी विवाद जैसा प्रतीत हो रहा था, लेकिन कुछ ही देर में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि महिला ने गुस्से में युवतियों के खिलाफ नस्लीय और आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसी दौरान किसी ने पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।वायरल वीडियो में आरोपी महिला को कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुना और देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई यूजर्स ने इसे नस्लीय भेदभाव का मामला बताया है सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। पूर्वोत्तर भारत के नागरिकों के साथ भेदभाव को लेकर पहले भी बहस होती रही है, और इस घटना ने इस संवेदनशील मुद्दे को एक बार फिर सुर्खियों

में ला दिया है।घटना के बाद पीड़ित युवतियों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई। शुरुआती जांच में वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि मामले में अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धाराएं भी लागू हो सकती हैं। इसके बाद केस में इन प्रावधानों को जोड़ गयाजांच के अगले बढ़ने के साथ पुलिस ने आरोपी महिला, जिसकी पहचान रूबी जैन के रूप में हुई है, को गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने जांच के दौरान एएसपी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराएं आरोपी के खिलाफ जोड़ी हैं।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद पूछताछ जारी है और मामले की जांच एसीपी स्तर के अधिकारियों की निगरानी में की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो के अलावा अन्य साक्ष्यों की भी बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने लाई जा सके।इस मामले में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू समेत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी मामले में प्रतिक्रिया व्यक्त कर दुःख जताया है। सब समूचे सभ्य समाज की अवधारणा कुछ इने गिने नासमझ लोगों की टिप्पणी से नहीं आंकी जानी चाहिए हम उत्तर से पूर्वोत्तर दक्षिण से पश्चिम तक एक है एक रहेंगे और भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं होनी चाहिए।

## प्रधानमंत्री ने वर्चुअल लॉन्च किया, राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान

# ऐतिहासिक शुरुआत, 3.23 लाख किशोरियों को मिलेगा निःशुल्क टीका

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। खड़गवां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आज सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। देशव्यापी अभियान की वर्चुअल शुरुआत प्रधानमंत्री ने राजस्थान के अजमेर से की। उन्होंने 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह वैक्सीन महिलाओं को होने वाले सर्वाइकल कैंसर से लगभग 98 प्रतिशत तक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है प्रधानमंत्री ने बालिकाओं से संवाद करते हुए विकासित भारत 2047 के संकल्प को दोहराया और महिलाओं के स्वास्थ्य को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया जिले में आयोजित



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रदेश में इस अभियान का शुभारंभ

एमसीबी जिले के खड़गवां से किया जा रहा है जिले में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी लगभग 4,000 किशोरियों को यह टीका लगाया जाएगा राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. बी.आर. भगत ने जानकारी दी कि पूरे छत्तीसगढ़ में 3 लाख 23 हजार किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन निःशुल्क

लगाई जाएगी जो महिलाओं में बढ़ते कैंसर के मामलों को रोकथाम की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि खड़गवां विकासखंड के लिए यह गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण



अभियान की प्रदेश स्तरीय शुरुआत यहीं से हो रही है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भविष्य की पीढ़ियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं तथा यह अभियान महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है उन्होंने घोषणा की कि 1 अप्रैल से

प्रदेश को 375 नई 108 एंजुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही अब किसी भी मरीज को आर्थिक अभाव के कारण इलाज से वंचित नहीं रहना पड़ेगा, क्योंकि सरकारी या निजी अस्पताल में उपचार हेतु डेढ़ लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

## कृषक उन्नति योजना अंतर्गत 15,852 कृषकों को 64.31 करोड़ की आदान सहायता राशि का विवरण

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड मुख्यालय-मनेन्द्रगढ़, खड़गवां एवं भरतपुर-में आज कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि वितरण समारोह सह किसान सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन बिलासपुर जिले में किया गया, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी विकासखंड मुख्यालयों में किया गया जिला एमसीबी में भी लाइव प्रसारण के माध्यम से कृषकों ने कार्यक्रम से जुड़कर शासन की किसान हितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जिला एमसीबी में कुल 15,852 कृषकों को 64.31,69,326.60 (चौंसठ करोड़ इकतीस लाख उनहतर हजार तीन सौ छब्बीस रुपये साठ पैसे) की आदान सहायता



राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई यह सहायता राशि किसानों को बीज, उर्वरक, कीटनाशक एवं अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था हेतु महत्वपूर्ण आर्थिक संबल प्रदान करेगी कार्यक्रम के दौरान पात्र कृषकों को आदान सहायता राशि वितरण के प्रमाण पत्र जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रदान किए गए अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय वृद्धि एवं कृषि विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा योजनाओं का लाभ पारदर्शी रूप से सीधे

किसानों के खातों में पहुंचाया जा रहा है जिला एमसीबी में आयोजित यह कार्यक्रम किसान कल्याण एवं कृषि उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ किसानों में उत्साह एवं विश्वास का वातावरण दिखाई दिया तथा उन्होंने शासन की इस पहल के प्रति आभार पत्र जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रदान किए गए अपने संबोधन में श्रीमती प्रतिमा यादव (अध्यक्ष, नगर पालिका मनेन्द्रगढ़), नवनीत राणा (अध्यक्ष, नगर पंचायत नई लेदरी), रीमा यादव (अध्यक्ष, नगर पंचायत झगराखंड), जिला



पंचायत सदस्य उदित नारायण सिंह एवं बाबू भगत, जनपद सदस्य कविता जायसवाल एवं आनंद सिंह, सरपंचगण चैनपुर, सीरियाखोह, भलौर एवं चौबड़ा, नम्रता डोंगरे (अपर कलेक्टर), लिंगराज सिदार, महेश पैकरा (अनुविभागीय अधिकारी राजस्व), रवि कुमार गुप्ता (नोडल अधिकारी एवं सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी), वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी दीपक कुमार साहू एवं जितेंद्र झा सहित कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## स्वास्थ्य शिविर से पहले रैली, रोटी इंटरनेशनल और सिंधिया मिशन ने निकाली जागरूकता रैली

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में 17 से 24 मार्च तक आयोजित होने वाले मेगा स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने के उद्देश्य से शनिवार को शहर में एक स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली गई। यह आयोजन रोटी इंटरनेशनल के सहयोग से संचालित रोटी रोजनल मेडिकल मिशन, शिवपुरी और श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्वास्थ्य सेवा मिशन के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है आगामी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर में किया जाएगा इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम विभिन्न बीमारियों की निःशुल्क जांच और उपचार उपलब्ध कराएगी साथ-साथ गुना, अशोकनगर और आसपास के जिलों के मरीज भी इस शिविर का लाभ उठा सकेंगे। रैली का शुभारंभ शनिवार दोपहर चार बजे दो बत्ती चौराहे पर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया की प्रतिमा

पर माल्यापण के साथ हुआ इसके बाद रैली शहर के प्रमुख मार्गों जैसे सिद्धेश्वर रोड, विष्णु मंदिर, पुराना बस स्टैंड, कोर्ट रोड, अस्पताल चौराहा और अग्रसेन चौक से होती हुई ताल्याटोपे पार्क पर समाप्त हुई रैली में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, रोटी क्लब के पदाधिकारी और नगरवासी शामिल हुए इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे आयोजकों ने बताया कि शिविर में देश के ख्यातिनाम चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे, जिससे जरूरतमंद मरीजों को उच्च स्तरीय उपचार का लाभ निःशुल्क मिल सकेगा आयोजकों ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं। साथ ही, आसपास के जरूरतमंद लोगों को भी इसकी जानकारी दें।

## 2 मार्च से बसों की हड़ताल, होली पर थमंगे बसों के पहिए, हजारों यात्रियों को होगी परेशानी



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मद्र में नई परिवहन नीति के विरोध में 2 मार्च से बस ऑपरेंटर्स हड़ताल पर जा रहे हैं जिसके चलते सभी बसों के पहिए थमने की तैयारी है होली के ठीक पहले संभावित हड़ताल से लाखों यात्रियों को परेशानी हो सकती है बस एसोसिएशन भी इस हड़ताल में शामिल होगा एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शिवहरे ने बताया नई परिवहन नीति का प्रदेशभर में बस ऑपरेंटर्स विरोध कर रहे हैं उसमें कई प्रकार की खामियां हैं

ऑपरेंटर्स का दावा है कि नई नीति से परमिट शर्तें सख्त होंगी, फीस बढ़ेगी और किराए पर नियंत्रण रहेगा इस समस्या के निदान के लिए बस संचालकों के द्वारा कई बार उचित प्लेटफॉर्म पर अधिकारियों के समक्ष निवेदन किया, लेकिन कोई भी समाधान नहीं निकल सका है इसलिए बस ऑपरेंटर्स 2 मार्च से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने की तैयारी कर रहे हैं हड़ताल से यात्रियों को आगामी दिनों में होने वाली परेशानी की जिम्मेदारी राज्य शासन की होगी।

## नशे के 'सल्टनत' का अंत! चिरमिरी पुलिस ने ढहाया रसल एक्का का अंतर्राज्यीय ड्रग्स साम्राज्य

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में मौत का सामान बेचने वाले सबसे बड़े सिंडिकेट का चिरमिरी पुलिस ने अंत कर दिया है। आईजी दीपक झा और एसपी रत्ना सिंह के 'नशा मुक्त अभियान' के तहत, पुलिस ने एक ऐसे गिरोह को बेनकाब किया है जिसके तार छत्तीसगढ़ से निकलकर तेलंगाना और झारखंड तक फैले थे इस पूरे नेटवर्क का 'किंगपिन' रसल एक्का अब पुलिस की गिरफ्त में है।



रायपुर से हैदराबाद तक पुलिस की दबिश: इस पूरी जांच की शुरुआत 7 अक्टूबर को हुई, जब चिरमिरी पुलिस ने एक पुख्ता सूचना पर शेख अल्लाफ और किशन रजक को ढोका इनके पास से नशीली इंजेक्शन बरामद हुए पुख्ताछ में जब शुभम यादव का नाम आया तो पुलिस को समझ आ गया कि यह कोई गली-मोहल्ले का गैंग नहीं बल्कि एक संगठित अपराध है थाना प्रभारी विजय सिंह के नेतृत्व में बनी स्पेशल टीम ने मोबाइल लोकेशन और सीडीआर के आधार पर जाल बिछाया मुख्य आरोपी रसल एक्का को रायपुर से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया जबकि गिरोह के 'फाइनेंस हैंडलर' वैदला वासु को पकड़ने के लिए पुलिस को एक टीम सीधे हैदराबाद के पर्वत नगर (बोराबंद) जा धमकी।

जहर की कमाई और 5 लाख की 'गोवा ट्रिप': पुलिस की इन्वेस्टिगेशन स्टोरी में रसल एक्का का किरदार किसी शातिर अपराधी जैसा है रसल केवल ड्रग्स बेचता नहीं था, बल्कि वह इस काली कमाई को पानी की तरह बहाता था हाल ही में रसल अपनी गर्लफ्रेंड के साथ गोवा की सैर पर था जहाँ उसने 5 लाख रुपये महज कुछ दिनों में उड़ा दिए 'शातिर 'मनी ट्रेल': रसल इतना चालाक था कि वह पुलिस को चकमा देने के लिए कभी अपने बैंक खाते का इस्तेमाल नहीं करता था वह नशे के पैसे सहयोगियों के खातों में डलवाता था रसल के खिलाफ मनेंद्रगढ़, अंबिकापुर और पोड़ी थानों में पहले से ही गंभीर अपराध दर्ज हैं। जांच में खुलासा हुआ कि रसल के गुर्गे गढ़वा (झारखंड) से यात्री बसों में छिपकर नशे की खेप लाते थे वहीं हैदराबाद का वैदला वासु और सूरजपुर का रजत कुमार इस पूरे खेल के बैकएंड ऑपरेशंस और पैसे के

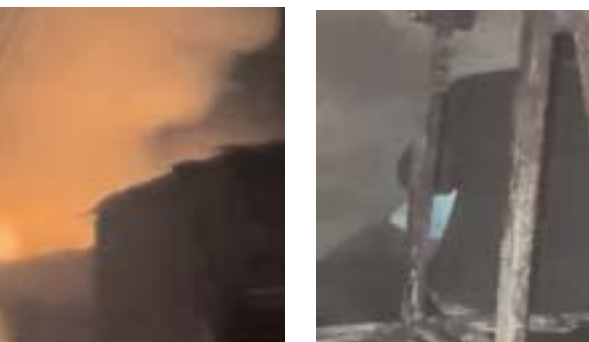
लेनदेन को संभालते थे। अभी और भी चेहरे बेनकाब होंगे: थाना प्रभारी विजय सिंह ने स्पष्ट किया है कि यह केवल शुरुआत है रसल से पुख्ताछ में कई नए सुराग मिले हैं आशंका है कि सरगुजा संभाग के कई और 'सफेदपोश' लोग इस कारोबार को संरक्षण दे रहे थे जिनकी गिरफ्तारी के लिए साइबर सेल लगातार डेटा खंगाल रही है। इस बड़ी सफलता में थाना प्रभारी विजय सिंह, सजिन नईम खान, प्र आर साइबर पुष्पल सिंह आरक्षक संजय कांत, जितेंद्र ठाकुर, साइबर सेल के राकेश तिवारी और सैनिक प्रमोद साहू की भूमिका बेमिसाल रही पुलिस को इस 'सर्जिकल स्ट्राइक' ने नशे के सौदागरों की कमर तोड़ दी है। सभी आरोपियों को न्यायालय के आदेश पर जिला जेल बैकटुपुर भेज दिया गया है।

## टेंट गोदाम में भीषण आग, 10 फीट ऊंची उठीं लपटें 7 दमकलों ने 4 घंटे में काबू पाया, लोडिंग वाहन-बाइक भी जली 50 लाख का माल

मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। नाका चंद्रवदनी इलाके में शुक्रवार-शनिवार दरमियानी रात एक टेंट गोदाम में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 10 फीट ऊंची लपटें उठने लगीं जो सड़क से दिखाई दे रही थीं। गोदाम के आसपास रहवासी इलाका था इसलिए हड़कंप मच गया 7 दमकलों ने करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 7 बजे आग पर काबू पाया तब तक करीब 50 लाख का माल



खाक हो गया था आग लगाने का कारण शॉट सर्किट बताया जा रहा है हालांकि जांच के बाद ही सही कारण पता चलेगा



घटना हीरा भूमिया मंदिर के पास स्थित टेंट व्यवसायी अवधेश सिंह यादव के गोदाम की है अवधेश सिंह यादव शादी



समारोहों में टेंट व डेकोरेशन का काम करते हैं पास ही स्थित गोदाम से उनका पूरा कारोबार संचालित होता है बताया जा

रहा है कि होलिका अष्टक के चलते सहालग (विवाह मुहूर्त) बंद हैं जिससे विभिन्न स्थलों से लाकर टेंट व सजावट का

सामान गोदाम में रख दिया गया था इसी दौरान रात करीब 2 से 3 बजे के बीच अचानक गोदाम में आग लग गई जब तक लोगों को जानकारी लगी तब तक आग बेकाबू हो चुकी थी और पूरे क्षेत्र में धुएँ फैल गया था आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस, फायर ब्रिगेड और गोदाम मालिक को सूचना दी आग बेकाबू हो चुकी थी और पूरे क्षेत्र में धुएँ फैल गया था आग बेकाबू हो चुकी थी और पूरे क्षेत्र में धुएँ फैल गया था सात फायर ब्रिगेड ने पाया काबू।

## महिला वकील को इंस्टाग्राम पर भेजे अश्लील वीडियो, मोहिनी-सोनी नाम की आईडी से आते हैं मैसेज

मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। गोला का मंदिर क्षेत्र में रहने वाली 33 वर्षीय महिला वकील को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अश्लील चैट, पोस्ट और वीडियो भेजकर परेशान किए हैं पीडिता की शिकायत पर क्राइम ब्रांच पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है महिला ने पुलिस को बताया कि 7 नवंबर 2025 को शाम करीब 7:45 बजे उसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'दुध-दुधदुध32143' नाम की आईडी से अश्लील चैट और आपत्तिजनक फोटो भेजे गए। इस पर उसने तत्काल पुलिस की आपात सेवा डायल 112 पर शिकायत की डायल 112 के स्टाफ ने उसे साइबर सेल से संपर्क कराया जहां से आशवासन दिया गया कि संबंधित आईडी को ट्रेस कर जानकारी दी जाएगी लेकिन आगे कोई सूचना नहीं मिली इसके बाद 15 दिसंबर 2025 को फिर उसी नाम की आईडी से अश्लील चैट और वीडियो

भेजे गए। परेशान होकर महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दी महिला ने बताया कि पुलिस में शिकायत के बाद आरोपी कुछ समय शांत रहा, लेकिन फिर 'सोनी तोमर' नाम से नई आईडी बनाकर 30 दिसंबर 2025 और 7 जनवरी 2026 को दोबारा अश्लील फोटो और चैट भेजे। इसके बाद लगातार आपत्तिजनक मैसेज आने लगे। मानसिक रूप से प्रताड़ित महिला ने आखिरकार क्राइम ब्रांच थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। क्राइम ब्रांच थाना पुलिस के अनुसार महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। साइबर एक्सपर्ट दोनों इंस्टाग्राम आईडी की तकनीकी जांच कर यह पता लगाने में जुटे हैं कि इन्हें कहाँ से संचालित किया जा रहा है और इनके पीछे कौन व्यक्ति है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## हाईकोर्ट ने आईटीएटी आदेश पर अपील स्वीकार की, कानूनी प्रश्नों पर 10 मार्च को होगी अंतिम सुनवाई



मीडिया ऑडिटर, ग्वालियर (निप्र)। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ (ई-कोर्ट) ने आयकर अपीलीय अधीकरण (आईटीएटी) के आदेश के खिलाफ दायर आयकर अपील को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है न्यायालय ने मामले में छह महत्वपूर्ण विधि प्रश्न तय करते हुए अपील को अंतिम सुनवाई के लिए 10 मार्च को सूचीबद्ध किया है यह मामला अनुप निगम बनाम आयकर अधिकारी 3(1) ग्वालियर से संबंधित है अपीलकर्ता ने आयकर अधिनियम की धारा 260ए के तहत आयकर अपीलीय अधीकरण आगरा पीठ द्वारा 11 फरवरी 2025 को पारित आदेश को चुनौती दी है

आईटीएटी ने अपील आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए एक नए मुद्दे पर प्रकरण को पुन मूल्यांकन अधिकारी (एओ) के पास भेज दिया था हाईकोर्ट ने जिन प्रमुख विधिक प्रश्नों पर विचार के लिए अपील स्वीकार की है, उनमें 'क्या आईटीएटी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नया मुद्दा खड़ा किया, क्या वर्ष 2011-12 का मामला पुनः खोला वैधानिक सीमा अतिवधि के विपरीत है और क्या विभाग की ओर से कोई प्रार्थना न होने के बावजूद इस प्रकार का निर्देश दिया जा सकता था' शामिल हैं। प्रकरण के अनुसार अनुप निगम ने 3 करोड़ रुपये की रजिस्ट्री कराई थी, जिसकी सूचना आयकर विभाग को प्राप्त हुई।

## 20 हजार पौधे उखाड़ फॉरेस्ट जमीन पर कब्जा, लापरवाही बरतने वाले वनकर्मियों पर कार्रवाई की तैयारी

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के बानापुरा रेंज की झाड़बोड़ा बीट में प्लांटेशन की जमीन पर लगे करीब 20 हजार पौधों को उखाड़कर नष्ट कर दिया गया आरोप है कि राजलढाना गांव के करीब 100 ग्रामीणों ने खेती करने के उद्देश्य से लगभग 20 हेक्टेयर वन भूमि पर कब्जा करने की कोशिश की वन विभाग को जब इसकी जानकारी मिली तो राजस्व और पुलिस विभाग की मदद से संयुक्त कार्रवाई की गई करीब 230 वनकर्मियों, पुलिस और राजस्व अधिकारी मौके पर पहुंचे और कब्जा हटाया गया। कार्रवाई के दौरान वहां बनाई गई अस्थायी टपरियां हटाई गईं और बड़े गड्डे खोदे गए ताकि दोबारा खेती नहीं की जा सके। डीएफओ गौरव शर्मा ने बताया कि इस क्षेत्र में वर्ष 2019 में पौधारोपण किया गया था। अतिक्रमणकारियों ने करीब 20 हजार पौधों को नुकसान

पहुंचाया है जिससे विभाग को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है अब वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पौधों पर हुए खर्च की वसूली की जाएगी। डीएफओ ने यह भी कहा कि इस मामले में वन विभाग के जिन कर्मचारियों की लापरवाही सामने आएगी उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी सुरक्षा व्यवस्था ठीक से क्यों नहीं की गई, इस संबंध में रेंजर को जांच के निर्देश दिए गए हैं झाड़बोड़ा बीट के 'कंपार्टमेंट' नंबर 159 में राजलढाना और पतलई गांव के कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया था इसे हटाने के लिए वन विभाग को पुलिस और राजस्व विभाग की सहायता लेनी पड़ी। अभियान के दौरान एसडीओ अनिल विश्वकर्मा, नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान, एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान और थाना प्रभारी सुधाकर बसकर सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

## पालकी में बैठाकर निकाली खाटू श्याम की यात्रा, सैकड़ों श्रद्धालु नाचते हुए शामिल हुए



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में शनिवार को खाटू श्याम की पहली पालकी यात्रा निकाली गई इस ऐतिहासिक आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए जिससे पूरे शहर में भक्तिमय माहौल बन गया गुना बायपास स्थित खाटू श्याम मंदिर के पुजारी प्रशांत शर्मा ने बताया कि शहर में बाबा की शोभायात्राएं पहले भी निकल

चुकी हैं लेकिन पालकी यात्रा का आयोजन पहली बार हुआ है पालकी यात्रा का शुभारंभ मां राजेश्वरी मंदिर से हुआ यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद बाबा को सुसज्जित पालकी में विराजमान कर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ श्रद्धालु नाचते-गाते हुए यात्रा में शामिल हुए।

## छतरपुर में बाइक पर कुत्ते का हमला, दंपति घायल, पत्नी के चेहरे पर आई गंभीर चोट

मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के लवकुशगंज थाना क्षेत्र में एक बाइक सवार दंपति पर आकारा कुत्ते ने हमला कर दिया। इस घटना में बाइक अनिर्वात होकर गिर गई, जिससे पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल दंपति की पहचान संतोष बेलदार और उनकी पत्नी पिकी बेलदार के रूप में हुई है। शुक्रवार को वे एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे। रास्ते में अचानक सड़क किनारे से एक आकारा कुत्ता दौड़ता हुआ आया और उनकी चलती बाइक से टकरा गया। कुत्ते के टकराने से संतोष का संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क पर फिसल गई। इस हादसे में पिकी बेलदार के चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि संतोष बेलदार के हाथ और पैर में चोट लगी है। पिकी के चेहरे पर गहरी चोट बताई जा रही है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को उठवाया और प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। पिकी बेलदार की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार जारी है। स्थानीय निवासियों ने क्षेत्र में आकारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि पहले भी कई लोग कुत्तों के हमलों का शिकार हो चुके हैं, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आकारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।



## एमपी में 2 मार्च से बसों की हड़ताल, होली पर थमगे बसों के पहिए



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। मद्र में नई परिवहन नीति के विरोध से बस ऑपरेटर्स हड़ताल पर जा रहे हैं। जिसके चलते सभी बसों के पहिए थमने की तैयारी है। होली के ठीक पहले संभावित हड़ताल से लाखों यात्रियों को परेशानी हो सकती है। नर्मदापुरम बस एसोसिएशन भी इस हड़ताल में शामिल होगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय शिवहरे ने बताया नई परिवहन नीति का प्रदेशभर में बस ऑपरेटर्स विरोध कर रहे हैं। उसमें कई प्रकार की खामियां हैं। ऑपरेटर्स का दावा है कि नई नीति से परमिट शर्तें सख्त होंगी, फीस बढ़ेगी और किराए पर नियंत्रण रहेगा। इस समस्या के निदान के लिए बस संचालकों के द्वारा कई बार उचित प्लेटफॉर्म पर अधिकारियों के समक्ष निवेदन किया, लेकिन कोई भी समाधान नहीं निकल सका है। इसलिए बस ऑपरेटर्स 2 मार्च से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। हड़ताल से यात्रियों को आगामी दिनों में होने वाली परेशानी की जिम्मेदारी राज्य शासन की होगी।

यह प्रमुख मांगें हैं : 24 दिसंबर 2025 को राजपत्र में संशोधन का प्रारूप प्रकाशित किया गया है, उसे वापस/समाप्त किया जाए। 29 जनवरी 2026 को राजपत्र में किया गया संशोधन प्रकाशित किया गया है, उसे पूर्ण रूप से समाप्त किया जाए। वर्तमान में जिस व्यवस्था के साथ प्रदेश में बस संचालन किया जा रहा है, उसे यथावत रखा जाए।

## पंधाना में देर रात जुआ खेलते 9 लोग गिरफ्तार, 3 बाइक और 2 कार समेत 3.79 लाख का सामान जब्त



मीडिया ऑडिटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले की पंधाना थाना पुलिस ने अवैध जुआ गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से नगदी सहित तीन मोटरसाइकिल और दो कारें जब्त की हैं। कुल जब्त मशरूका की कीमत 3 लाख 79 हजार 465 रुपये की है। टीआई दिलीपसिंह देवड़ा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खारपी गांव के बाहर ईंट भट्टे के पास कुछ लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद पुलिस अधीक्षक खंडवा मनोज कुमार राय एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व डीएसपी मुख्यालय के मार्गदर्शन में टीम गठित कर कार्रवाई की गई। पुलिस टीम राहगीर पंचों को साथ लेकर बताया गए स्थान पर पहुंची। ईंट भट्टे की आड़ से घेराबंदी कर दबिश दी गई। मौके पर गोल घेरे में बैस्कर ताश के पत्तों से जुआ खेलते 9 लोगों को पकड़ा गया। सभी जब्त सामग्री पंचों के समक्ष विधिवत जब्त कर थाने लाई गई। आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत अपराध क्रमांक 81/26 दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

ये आरोपी गिरफ्तार : 1. भूपेंद्र यादव (33) निवासी घुघरिया खेड़ी, थाना गोवावा, 2. दिलीवर शाह (48) निवासी ग्राम टेमी, 3. कृष्णा सेन (40) निवासी ग्राम बगमार, 4. योगेंद्र राजावत (24) निवासी ग्राम जामली, 5. जितेंद्र पटेल (30) निवासी बगमार, 6. अक्षर खान (38) निवासी पंधाना, 7. सतिलाल खान (40) निवासी पंधाना, 8. वसीम (36) निवासी सिंदवा, 9. अशफाक खान (42) निवासी पंधाना, - मौके से क्या-क्या जब्त हुआ।

# जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, 5 घायल

## मंदसौर में दो पक्षों के बीच लठ्ठ-तलवारों से हमला, क्रॉस एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के अफजलपुर थाना क्षेत्र के गुर्जरबर्डीया गांव में शुक्रवार देर रात जमीन के पुराने विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक ही परिवार के दो पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। इस घटना में दोनों पक्षों के कुल पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

लंबे समय से चल रहा था जमीन को लेकर विवाद : जानकारी के अनुसार, सीतामऊ-मन्दसौर रोड पर कैलाश गुर्जर की एक होटल संचालित है। होटल के पास



की जमीन को लेकर उनका अपने ही रिश्तेदारों से काफी समय से विवाद चल रहा था। इस जमीन के सीमांकन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार कहासुनी हो चुकी थी घटना वाले दिन दोपहर में भी दोनों पक्षों के बीच बहस हुई

थी। मामला थाने तक पहुंचा, जहां पुलिस ने सीमांकन होने तक शांति बनाए रखने की समझाइश दी थी। हालांकि, रात होते-होते स्थिति फिर बिगड़ गई और विवाद ने उग्र रूप ले लिया।

दोनों पक्षों के लोग घायल : कैलाश गुर्जर का आरोप है कि विरोधी

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, देर रात दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई, फिर गाली-गालोज शुरू हो गई और कुछ ही देर में लाठी-डंडे और झगड़ हथियार चलने लगे। झगड़ इतना बढ़ गया कि आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पहले पक्ष से कैलाश गुर्जर (40) को हाथ और पैर में चोट आई है, जबकि उनके भाई सत्यनारायण गुर्जर (37) के सिर में गंभीर चोट लगी है। दूसरे पक्ष से समनलाल गुर्जर (45) को सिर, हाथ और कमर में चोटें आई हैं। कबरलाल गुर्जर (60) के हाथ-पैर में चोट आई है, जबकि इंद्रलाल गुर्जर (30) के सिर में चोट लगी है। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। उपचार के लिए रैफर किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

दोनों पक्षों के अलग-अलग आरोप : कैलाश गुर्जर का आरोप है कि विरोधी

पक्ष जमीन पर कब्जा करने की नीयत से मौके पर पहुंचा और उन्होंने ही मारपीट शुरू की। उनका कहना है कि दोपहर में भी विरोधी पक्ष ने जमीन पर रखी लकड़ियां हटाने की कोशिश की थी, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई थी। वहीं समनलाल गुर्जर का कहना है कि वे खेत पर कैमरा लगाने गए थे, तभी दूसरे पक्ष के लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

पुलिस ने दर्ज की क्रॉस एफआईआर : अफजलपुर थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह कनेश ने बताया कि जमीन को लेकर दोनों पक्षों में पुराना विवाद चल रहा है और दोनों आपस में रिश्तेदार हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर ली है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस निगरानी बनाए हुए है।

## रतलाम में 1610 लीटर नकली घी पकड़ा, यूपी से लाकर देशी बताकर 310 रुपए लीटर में बेचा जा रहा था

मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के ग्लोबस सिटी कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर एक मकान में बड़ी मात्रा में नकली घी बरामद किया है। यूपी के मुजफ्फरपुर की दो कंपनियों से नकली घी लाकर रतलाम में देशी घी के नाम पर बाजार में 310 रुपए लीटर में बेचा जा रहा था। प्रशासन व खाद्य विभाग की टीम ने 1610 लीटर घी को जब्त में लेकर मकान को सील कर दिया है। शिकायत पर नायब तहसीलदार रामचंद्र पांडेय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेष गुप्ता व अन्य नयागांव टैंकर रोड के पास स्थित ग्लोबस सिटी के एक मकान में दोपहर करीब 3 बजे दबिश दी। मकान में बड़ी मात्रा में यूपी फ्रेश, मद्र बेस्ट के नाम से घी के अलग-अलग पैकेट मिले। पैकिंग भी ऐसी थी हर कोई देख कर देशी घी समझे। मकान से महाकाल ट्रेडर्स के नाम से घी का विक्रय शहर की दुकानों पर किया



जा रहा था। महाकाल ट्रेडर्स के विक्रांत त्यागी से अधिकारियों ने पूछताछ की।

यूपी से ट्रांसपोर्ट से आने की बात कही : अधिकारियों ने व्यापारी विक्रांत त्यागी से पूछताछ की। तो बताया कि वह यूपी के मुजफ्फरपुर धी मंगवाता है। ट्रांसपोर्ट से वहां से भेजा जाता है। 310 रुपए लीटर में वह खरीदता है। जबकि बाजार में सवा तीन सौ

रुपए लीटर में बेचने की बात बताई। अधिकारियों के अनुसार कम रेट में देशी घी के नाम से बेचना शंकास्पद है। सभी पैकेट पर देशी घी होने के जानकारी अंकित थी। रेट भी कम लिखे थे। इस कारण अधिकारियों को शंका है कि यह पूरी तरह से नकली घी है।

1610 लीटर घी मिला : अधिकारियों को मौके से घी के बड़े डिब्बों के अलावा 200,

400 ग्राम समेत अलग वजन के पैकेट मिले हैं। कुल 1610 लीटर घी को खाद्य विभाग ने बरामद कर उसी स्थान पर रख करमरे को सील कर दिया है। अलग-अलग 10 सैपल लिए हैं। जो कि जांच के लिए लैब पर भेजे जाएंगे। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी। घी मुजफ्फरपुर की दो कंपनियों सिद्धी ट्रेडर्स व मां वेणोदेवी ट्रेडर्स से मंगया जा रहा था।

सस्ता बेचना मतलब नकली ही है- अधिकारी :

जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी शैलेष गुप्ता ने बताया उपभोक्ता द्वारा शिकायत की गई थी। सस्ता घी बेचा जा रहा है। सूचना सही पाई गई। शंका के आधार पर यूपी फ्रेश व मद्र बेस्ट घी के सैपल लिए हैं। जिसे राज्य खाद्य परीक्षण शाला भोपाल भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने तक संग्रहित घी को जब्त में ले लिया है। 310 रुपए लीटर में घी बेचा जा रहा है जो शंकास्पद है।

## यूपी के वाराणसी से इंदौर जाती बस ट्रेक्टर-ट्रॉली से टकराई



मीडिया ऑडिटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में वाराणसी से इंदौर जा रही एक यात्री बस शनिवार को ट्रेक्टर-ट्रॉली से टकराकर खेत में जा गिरी। इस हादसे में बस चालक घायल हो गया, जबकि बस में सवार करीब 50 अन्य यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। बस चालक को चोटें आईं और उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे

भोपाल रेफर किया गया है। बस में सवार बाकी सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए। घटना की सूचना मिलते ही उदयपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी यात्रियों को दूसरी बस से भोपाल के लिए रवाना किया। यह घटना नेशनल हाईवे 45 पर नोनिया बरेली के पास हुई। टक्कर के बाद ट्रेक्टर-ट्रॉली का चालक मौके से फरार हो गया।

## नीमच में महिला के बैग से 25 तोला सोना चोरी



मीडिया ऑडिटर, नीमच (निप्र)। नीमच से निबाहेड़ा के बीच मंदसौर के झारडा गोपालपुरा की एक महिला के साथ लाखों की चोरी हुई। पीड़िता अनीता पति भरत उर्फ बबलू बंजारा राजस्थान के गंगारार स्थित जीना खेड़ा में आयोजित गंगा भोज में शामिल होने जा रही थीं। रास्ते में उनके बैग से करीब 25 तोला सोने के जेवरत और नकदी चोरी हो गई।

एसपी से की मामले की शिकायत : पीड़िता ने शनिवार को

नीमच एसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने मुंदड़ा बस के स्टूफ और एक निजी जीप के ड्राइवर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि जब वह पालसोडा से बस में सवार होकर नीमच बस स्टैंड पहुंची, तब उन्होंने फोन पर अपने परिचितों से बैग में रखे जेवरत को लेकर चर्चा की थी। आशंका है कि यह बात बस कंडक्टर और वहां मौजूद अन्य लोगों ने सुन ली थी।

जीप में बैठे लोगों पर 25

तोला सोना चुराने का आरोप : नीमच बस स्टैंड पर मुंदड़ा बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने महिला को एक निजी जीप (क्रमांक झु 09 2101) में बिठा दिया। इस जीप में पहले से ही 4-5 सदिध लोग सवार थे। इन लोगों ने अपना पैर महिला के बैग पर टिका दिया था, जिससे वह बैग को हिला न सकें। पीड़िता को तब शक हुआ जब जीप चालक ने रास्ते में न तो किसी अन्य सवारी को बिठाया और न ही किसी से किराया लिया।

जीप ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की मांग : निबाहेड़ा बस स्टैंड पहुंचते ही चालक महिला को उतारकर तेजी से जीप लेकर भाग निकला। महिला ने पीछा करने की कोशिश की, लेकिन चालक ने गाड़ी नहीं रोकी। जब महिला ने अपना बैग चेक किया, तो उसमें रखा 25 तोला सोना और 2 हजार रुपए गायब मिले। पीड़िता ने इस मामले की शिकायत राजस्थान के निबाहेड़ा थाने के साथ-साथ अब नीमच एसपी से भी की है। उन्होंने मांग की है।

## सिवनी मालवा में पुलिस ने बाइक चोर को पकड़ा

मीडिया ऑडिटर, सिवनी मालवा (निप्र)। सिवनी मालवा की शिवपुर पुलिस ने बाइक चोरी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 90 हजार रुपए कीमत की पल्सर बाइक बरामद की गई है, जो 23-24 फरवरी की रात ग्राम भैंसादेह के एक घर के आंगन से चोरी हुई थी।

पीड़ित की शिकायत पर दर्ज हुआ था मामला : थाना प्रभारी विवेक यादव ने बताया कि 26 फरवरी को राजेंद्र यदुवंशी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पल्सर मोटरसाइकिल (क्रमांक ख्वा 2 6625) 23-24 फरवरी की रात उनके घर के आंगन से चोरी हो गई थी। इस शिकायत के आधार पर शिवपुर थाने में अपराध क्रमांक 44/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मुखबिरो से मिली सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई : पुलिस ने मामले की जांच के लिए



अपने सूचना तंत्र और मुखबिरो को सक्रिय किया। 27 फरवरी को पुलिस को जानकारी मिली कि किसोनी कला बस स्टैंड के पास एक युवक चोरी हुई बाइक जैसी बाइक के साथ घूम रहा है। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सदिध व्यक्ति से पूछताछ की।

बेचने के लिए ग्राहक ढूँढ रहा था आरोपी : पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपनी पहचान आनंद उड्के, पिता मुकेश उड्के, निवासी नंदराबाड़ा, थाना सिवनी

मालवा के रूप में बताई। उसने स्वीकार किया कि उसने 23-24 फरवरी की रात भैंसादेह से बाइक चोरी की थी और उसे बेचने के लिए ग्राहक ढूँढ रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से 90 हजार रुपए मूल्य की पल्सर मोटरसाइकिल जब्त की। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे न्यायालय में पेश किया है। पुलिस ने कहा है कि मामले में आगे की जांच की जा रही है।

# मंदसौर में जमीनी विवाद में तीन लोगों पर हमला

लाठी और धारदार हथियार से किया वार, एक के सिर में आए 8 टांके

मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के निपानिया मेघराज गांव में जमीन से जुड़े पुराने विवाद ने शुक्रवार देर रात हिंसक रूप ले लिया। गांव से बाइक पर सवार होकर खेत पर स्थित मकान की ओर जा रहे दो युवकों को आधा दर्जन लोगों ने रास्ते में रोक लिया और लाठी-धारदार हथियारों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य व्यक्ति को भी हमलावरों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में कुल तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक के सिर में 8 टांके लगे हैं। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक से खेत जा रहे थे, गांव के पास रोका रास्ता : जानकारी के अनुसार आदित्य ठाकुर (18 वर्ष) और उनके जीजा संजय ठाकुर (28 वर्ष) शुक्रवार रात बाइक से निपानिया मेघराज गांव से अपने खेत पर स्थित मकान की ओर जा रहे थे। गांव के नजदीक ही कुछ



लोगों ने उनका रास्ता रोक लिया। बताया जा रहा है कि सोनू, सुगन सिंह, आराम सिंह, हुकम सिंह, भरू सिंह और राहुल सिंह नामक व्यक्तियों ने उन्हें घेर लिया और लाठी व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमला अचानक हुआ, जिससे दोनों संभल भी नहीं पाए।

बीच-बचाव करने पहुंचे महेंद्र सिंह भी घायल : घटना के दौरान महेंद्र सिंह सोलंकी मौके पर पहुंचे और झगड़ा शांत कराने की कोशिश की। लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी नहीं छोड़ा। महेंद्र सिंह के सिर में गंभीर चोट आई और उन्हें 8 टांके लगाने पड़े। आदित्य ठाकुर के सिर और

हथियार से हमला किया गया। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। संजय ठाकुर ने कहा कि वे गांव से अपने साले के साथ खेत पर स्थित घर की ओर जा रहे थे। अचानक चार-पांच लोग आए और उन पर हमला कर दिया। उन्होंने

बताया कि वे गांव के जवाई हैं और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। महेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि वे झगड़ा होते देख बीच-बचाव करने पहुंचे थे, लेकिन उनके साथ भी मारपीट की गई। उन्होंने कहा कि आरोपियों के पास लाठी और आगे धारदार हथियार लगा हुआ था, जिससे गंभीर चोटें आई हैं।

पुलिस कर रही मामले की जांच : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर घायलों के बयान ले लिए। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गांव से बाइक पर सवार होकर खेत पर स्थित मकान की ओर जा रहे दो युवकों को आधा दर्जन लोगों ने रास्ते में रोक लिया और लाठी-धारदार हथियारों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य व्यक्ति को भी हमलावरों ने गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना में कुल तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक के सिर में 8 टांके लगे हैं।

# अर्जेंटीना में होगी संग्राम सिंह की MMA फाइट, फ्रांस के युवा फाइटर से मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। MMA खेल आइकन संग्राम सिंह के अर्जेंटीना की जमीन पर अपनी अगली फाइट की खबर के साथ ही वहां समुदाय फाइट हाउस के अध्यक्ष मार्टिन पाकसियार्ज का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के टाइरो इलाके में रविवार, पांच अप्रैल को उनका फ्रांस के युवा फाइटर मोटेऊ मॉटेइरो से होने वाला मुकाबला मुख्य आकर्षण रहने वाला है, जहां युवा जोश और जुनून के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है। संग्राम सिंह इस दिन MMA के समुदाय फाइट हाउस 28 (SFH 28) के मुख्य मुकाबले में उतरने वाले हैं। किसी भारतीय MMA फाइटर का अर्जेंटीना की धरती पर फाइट करने का यह पहला मौका होगा।

अर्जेंटीना से आया संग्राम पर बड़ा बयान : मार्टिन पाकसियार्ज ने कहा कि जॉर्जिया और नीदरलैंड के एमस्टर्डम में संग्राम ने MMA की कला में जो जलवा दिखाया है, उससे अर्जेंटीना के लोगों में उनको लेकर जिबरदस्त उत्साह है। वहां के लोग यह भी जानने को उत्सुक हैं कि जहां मिट्टी और गंदे की कुश्ती खूब चर्चा का विषय बनती है, वहां से इन दोनों तरह की कुश्ती करने वाले संग्राम सिंह ने MMA में कैसे अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और उम्र के 40 के पड़ाव को पार करने के बाद भी कोई कैसे MMA में सफलता के झंडे गाड़ सकता है। वह भारत में इस खेल के एम्बेस्डर हैं। उनकी इस फीलड



में कामयाबी से भारत में भी इस खेल को अलग पहचान मिली है। अर्जेंटीना में संग्राम सिंह की मौजूदगी मील का पत्थर साबित होने वाली है।

मैट का अनुभव काम आया: पूर्व प्रोफेशनल रेशलर से मिक्सड मार्शल आर्ट के फाइटर बने संग्राम सिंह ने कहा कि जब उन्होंने रूकी शुरुआत की तो हर किसी ने इस बात को लेकर हैरानी जाहिर की थी कि रेशलिंग

और MMA अलग दुनिया है लेकिन उन्हें विश्वास था कि मैट पर सीखा गया अनुशासन, फिटनेस और योद्धा की तरह जुझारूपन से वह MMA के मंच पर भी खुद को साबित करने में सफल रहेंगे। उनके हर मुकाबले से उनकी खेल कौशल (स्किल) में सुधार हुआ है।

अब तक का सबसे बड़ा मंच : संग्राम सिंह ने कहा कि नीदरलैंड और जॉर्जिया की फाइट ने उन्हें पहले से

ज्यादा मैच्योर और संपूर्ण फाइटर बनाने में मदद की है और अब अर्जेंटीना उनके सफर का अगला पड़ाव है, जहां वह अर्जेंटीनावासियों के दिल जीतने के अलावा अपने जीत के क्रम को बरकरार रखने के प्रति कृतसंकल्प हैं। अर्जेंटीना में MMA फाइट लड़ने वाले पहले भारतीय बनने पर संग्राम सिंह ने कहा कि समुदाय फाइट हाउस दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित फाइट लीग में से एक है, जहां दुनिया भर के फाइटर हिस्सा लेते हैं। अर्जेंटीना में स्था। 28 का हिस्सा बनना और दक्षिण अमेरिकी दर्शकों के सामने उतरना उनके लिए गर्व की बात है। यह अब तक का उनका सबसे बड़ा मंच है और वह हर भारतीय को गर्व महसूस कराना चाहते हैं। उनका प्रोफेशनल रेशलिंग से MMA तक का सफर अब तक असाधारण रहा है।

नई चुनौती के लिए तैयार: SFH 28 के लिए संग्राम अपने विश्वस्तनीय कोच भूपेश कुमार और उनकी टीम की देखरेख में कड़ी तैयारी कर रहे हैं, जिन्होंने उनके रूग्मोम को नई गहराई दी है। टीम ने उनके ट्रांजिशन, ग्राउंड कंट्रोल, स्ट्राइकिंग कॉम्बिनेशन, फाइट जैसी कडीशंस में ढलने और फिटनेस पर विशेष काम किया है, जिससे वह एक एलीट अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वी की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार रहें। संग्राम सिंह ने कहा कि प्रैक्टिस रिंग और जिम में कोच भूपेश सर के साथ बिताये हर पल ने उन्हें एक नए लेवल तक पहुंचाने का काम किया है। इससे उन्हें MMA की बारीकियों को और गहराई से समझने में मदद मिली है।

युवराज सिंह ने की अभिषेक की तारीफ 'बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 के अपने दूसरे मुकाबले में गुरुवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत हासिल की। इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक लगाया। पूर्व ऑलराउंडर और अभिषेक के मेंटर माने जाने वाले युवराज सिंह ने उनकी पारी की तारीफ की है। युवराज सिंह ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'सबसे अच्छी बातचीत तब होती है जब आप बल्ले को ही सारी बातें करने देते हैं। अच्छे पारी, सर अभिषेक, कोशिश करते रहो।' अभिषेक शर्मा जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले तक पूरे विश्व कप में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। ग्रुप स्टेज के तीन मैचों में लगातार शून्य पर आउट होने वाले अभिषेक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 के पहले मैच में 15 रन बना सके थे। उनकी खराब फॉर्म ने टीम इंडिया की परेशानी बढ़ा दी थी। अभिषेक की खराब फॉर्म की वजह से भारतीय टीम को हर मैच में खराब शुरुआत मिल रही थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले अभिषेक को प्लेइंग इलेवन से ड्रॉप किए जाने की चर्चा भी चल रही थी, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन पर भरोसा करते हुए मौका दिया। अभिषेक ने इस बार निराश नहीं किया। सजु सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे अभिषेक ने पहले कुछ गेंदें सेट होने के लिए लीं, लेकिन एक बार नजरे जमने के बाद फिर अपने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 30 गेंदों पर 4 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 55 रन की पारी खेली। इस पारी की मदद से भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 विकेट पर 256 रन का पहाड़ सा स्कोर खड़ा किया और विपक्षी टीम को 184 पर रोककर 72 रन से बड़ी जीत हासिल की।

## एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप: भारत की अगुवाई करेगी लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन



नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने एक महीने तक चली गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद टीम का चयन किया है।

चयन प्रक्रिया और चैंपियनशिप का महत्व: जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद सभाविता खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। चयन नीति के अनुसार, एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को

राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। इस कारण इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का महत्व और भी बढ़ गया है।

महिला टीम की कमान लवलीना के हाथ: स्पेन में हाल ही में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली लवलीना (75 किग्रा) महिला टीम का नेतृत्व करेंगी। स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति (54 किग्रा), अर्धरहित चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम का हिस्सा हैं।

### महिला वर्ग में अन्य प्रमुख नाम:

निकहत जरीन (51 किग्रा)  
अंकुशिता बोरो (65 किग्रा)  
पूजा रानी (80 किग्रा)  
अल्फिया तरसुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक)  
पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे सचिन पुरुष वर्ग में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल और बॉक्सम चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता सचिन (60 किग्रा) टीम का नेतृत्व करेंगे। आकाश (75 किग्रा), जिन्होंने स्पेन में स्वर्ण जीता, भी टीम में शामिल हैं। रजत पदक विजेता दीपक (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और कांयस पदक विजेता जदुमणि सिंह मडेंगबाम (55 किग्रा) भी टीम का हिस्सा हैं।

अन्य खिलाड़ी: विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), लोकेश (85 किग्रा), हर्ष चौधरी (90 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक)।

BFI अध्यक्ष का बयान: भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, एशियाई चैंपियनशिप हमेशा कौशल और निरंतरता की कड़ी परीक्षा होती है। हमने ऐसे मुक्केबाजों का चयन किया है जिन्होंने अच्छी फॉर्म, अनुशासन और दबाव में प्रदर्शन की क्षमता दिखाई है। हमें विश्वास है कि यह टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी।

खिलाड़ियों का मूल्यांकन मुख्य कोच सेंटियागो नीवा (महिला) और सीए कुट्टप्पा (पुरुष) की देखरेख में किया गया। भारतीय टीम ने हाल ही में स्पेन में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में नौ स्वर्ण पदक जीते थे।

## भारत-वेस्टइंडीज मैच में गेंदबाजों की धुलाई तय, ईडन में बुमराह-अर्शदीप होंगे अहम

कोलकाता, एजेंसी। भारत रविवार (27 फरवरी) को टी20 विश्व कप 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 'वर्चुअल क्वार्टर फाइनल' उसी पिच पर खेलेगा, जहां स्कोटलैंड ने टूर्नामेंट का पहला 200 रन से अधिक का स्कोर बनाया था। ईडन गार्डन के क्यूरेटर सुजान मुखर्जी के अनुसार भारत और वेस्टइंडीज के बीच सुपर आउट का मुकाबला उसी पिच पर होगा जिस पर टी20 विश्व कप का दूसरा मैच खेला गया था। इस पिच पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह अहम हो सकते हैं।

बंगाल क्रिकेट संघ (इएफ) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने शुक्रवार शाम पिच और आउटफील्ड को पूरी तरह ठकने से पहले उसका निरीक्षण किया। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने मुखर्जी और बोर्ड के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक के साथ लंबी चर्चा की। पूर्व भारतीय कप्तान ने दोनों छोर से पिच की सतह का मुआयना किया। गांगुली ने पिच का मुआयना किया - मुखर्जी ने पीटीआई से कहा, 'गांगुली पिच की तैयारी देखकर खुश दिखे।

## किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर, एजेंसी। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए। ताइवान शटलर के खिलाफ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस् ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया।

इंटरवल के बाद ताइवान शटलर का मोमेंटम मजबूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए। इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मार्च में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंटी की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देर को रिप्रेजेंट किया था।

बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी। भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।



# जैस और रेहान ने पलटी हारी हुई बाजी

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया



कोलंबो, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 राउंड के मुकाबले में शुक्रवार को इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया। न्यूजीलैंड से मिले 160 रनों के लक्ष्य को इंग्लैंड ने 3 गेंद शेष रहते हुए 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। अंतिम ओवरों में विल जैक्स ने अपनी तूफानी

बल्लेबाजी के बूते हारी हुई बाजी को पलट दिया। न्यूजीलैंड से मिले 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिल सांट्ट महज 2 रन बनाकर मैट हेनरी का शिकार बने। इसके बाद खराब फॉर्म में चल रहे जोस बटलर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। दो विकेट जल्दी

गंवाने के बाद कप्तान हेरी ब्रूक और जैकब बेथेल ने इंग्लैंड की लड़खड़ाती हुई पारी को संभालने का प्रयास किया और तीसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़े। ब्रूक 24 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुए, जबकि बेथेल 4 चौकों की मदद से 21 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 58 रनों के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद सैम करन और टॉम बेंटन ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 42 रन जोड़े। करन ने 22 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि बेंटन 3 चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाकर आउट हुए। 117 रनों के स्कोर पर 6 विकेट गंवाकर इंग्लैंड की टीम मुश्किल में थी और जीत दूर जाती हुई दिख रही थी।

हालांकि, विल जैक्स और रेहान अहमद ने सिर्फ 16 गेंदों में 44 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए इंग्लैंड को 4 विकेट से जीत दिला दी। जैक्स ने सिर्फ 18 गेंदों का सामना करते हुए 32 रनों की नाबाद पारी खेली। विल जैक्स ने पारी के 18वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स के खिलाफ 22 रन बनाए और यहीं से पूरा मुकाबला पलट गया। वहीं, रेहान ने 7

गेंदों में 19 रन बनाए और वह टीम को जीत दिलाकर लौटे। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रविंद्र ने 19 रन देकर 3 विकेट निकाले, जबकि मैट हेनरी और फिलिप्स ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 159 रन बनाए। टीम को टिम सीफर्ट और फिन एलन ने ताबड़तोड़ शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 6.6 ओवर में 64 रन जोड़े। सीफर्ट ने 25 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्के की मदद से 35 रन बनाए वहीं, एलन ने 19 गेंदों में 29 रनों का योगदान दिया। रचिन रविंद्र बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 11 रन बनाकर आउट हुए।

ग्लेन फिलिप्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाए। डेरिल मिचेल सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए, तो मार्क चैपमैन ने 15 रनों का योगदान दिया। कप्तान मिचेल सैंटनर 9 रन बनाकर नाबाद रहे। गेंदबाजी में इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने 4 ओवर के स्पेल में 28 रन खर्च करते हुए 2 विकेट निकाले। वहीं, विल जैक्स ने 23 रन देकर दो विकेट चटकाए। रेहान अहमद भी न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने में सफल रहे। इंग्लैंड की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। कोवी टीम को अब यह दुआ करनी होगी कि शनिवार को होने वाले मुकाबले में श्रीलंका पाकिस्तान को हराने में सफल रहे।

## 'अभिषेक यही तो झेल रहे हैं अभी', सहवाग ने सफल होने के लिए दिए अहम सुझाव; कहा-

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में काफी इंतजार के बाद अभिषेक शर्मा के बल्ले से रन निकले। अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में 30 गेंदों पर 55 रन की पारी खेली और ये टी20 वर्ल्ड कप में उनका पहला अर्धशतक रहा। भारत के ये स्टार ओपनर अब फॉर्म में है, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने उन्हें आगे इस तरह से सफल बने रहने के लिए कुछ अहम सुझाव दिए।

### काफी कुछ झेल रहे हैं अभिषेक

सहवाग ने क्रिकेटर पर बात करते हुए कहा कि अभिषेक शर्मा इस वक्त काफी कुछ झेल रहे हैं। जब वो खेलते हैं, शांत लगते हैं तो सब उनकी वाहवाही करते हैं, लेकिन जब वो वही शांत खेलकर आउट हो जाते हैं, रन नहीं आते तो वो सबको खराब लगते हैं। तो ये एक बारीक



लाइन है आत्मविश्वास और अतिआत्मविश्वास के बीच में। ये बल्लेबाजों को ध्यान रखना पड़ता है कि मैं कॉन्फिडेंट हूँ, लेकिन ओवर कॉन्फिडेंट नहीं। तो मैं बॉल को देखकर मारूंगा ना कि इगो में आकर कि भाई मुझे मारना ही मारना है।

### गेंद को रोकने में कोई हर्ज नहीं

सहवाग ने आगे कहा कि जब कोई खिलाड़ी ऐसा करता है कि मुझे मारना ही मारना है तो अभिषेक शर्मा भी ऐसा ही करें कि जब लोग साइड में बॉल आए तो वहीं मारें, जब ऑफ साइड में आए तो

वहां मारें, लेकिन जब गेंद अच्छी हो तो उसे रोक लें। गेंद को रोकने में कोई हर्ज नहीं है। अभी क्या हो रहा है कि जब वो स्ट्राइक पर होते हैं तो कोशिश करते हैं कि मैं 6 में 6 बॉल मारूं। तो कोशिश ये होनी चाहिए कि आज नहीं लग रहा तो डिफेंस करो और एक रन ले लो। बेटसमैन को बहुत सुझाव के साथ खेलना पड़ता है।

## मैच में नर्वसनेस है बहुत जरूरी

सहवाग के खिलाड़ी के इगो के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैच में यो सोचकर जाता है कि ये मेरा पहला मैच है। अगर मैं अपनी बात करूँ कि मैं बड़ा प्लेयर बन गया हूँ तो ये मुझे पब्लिक ने बनाया है। मैंने जो पहले किया है उससे मैं हीरो बना, लेकिन आज, मुझे फिर से खेलना है, रन बनाने हैं। अगर मैं ये सोचूँ कि मैंने बहुत रन बनाए हैं, मैं देख लूंगा तो इसका फलतब ये है कि आप बिना तैयारी के जा रहे हो। मैच में नर्वसनेस बहुत जरूरी है, अगर आप नर्वस हो तो ये आपको जागरूक करती है कि मुझे देखकर खेलना है। बॉलर मत देखो की कौन है क्योंकि बॉल को मारनी है तो उसे रिसपेक्ट दो कि वो अच्छी है कि खराब है।

## गेंदबाज नहीं गेंद का सम्मान करो

# प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद पद्मश्री सिंह शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना के बी ब्लॉक सभागार में शनिवार को विकसित भारत युवा संसद 2026 का जिला स्तरीय आयोजन संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगरीय विकास एवं आवास प्रतिमा बागरी रहीं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एस. सी. राय, पूर्व प्राचार्य डॉ. शिवेश प्रताप सिंह, जिला नोडल अधिकारी डॉ. क्रांति मिश्रा, कार्यक्रम आयोजक डॉ. मनीष



प्रताप सिंह सहित निर्णायक मंडल के सदस्य वाचस्पति त्रिपाठी, आकाश शर्मा, रितु शर्मा एवं अर्चना कुशवाहा उपस्थित रहे। ऑनलाइन 'माय भारत' पोर्टल पर पंजीकृत प्रतिभागियों ने आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में कुल 60 प्रतिभागियों ने सहभागिता कर

लोकतंत्र, संविधान और युवा सहभागिता पर तथ्यपूर्ण एवं प्रभावशाली वक्तव्य दिए। विजेता प्रतिभागी में प्रथम स्थान शिवानी पाण्डेय पीजी कॉलेज सतना, द्वितीय स्थान अनुपमा पटनहा एकेएस विश्वविद्यालय, तृतीय स्थान आदित्य शर्मा, चतुर्थ स्थान निष्कर्ष तिवारी तथा पंचम स्थान निधि त्रिपाठी रही। मुख्य अतिथि प्रतिमा बागरी ने

कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को सोच विकसित करने लोकतांत्रिक परंपराओं को समझने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की सच्ची शक्ति है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य ने प्रतिभागियों के प्रभावशाली एवं तथ्यपूर्ण वक्तव्यों की सराहना की और



कहा कि युवा संसद का उद्देश्य युवाओं को लोकतंत्र की गहराई समझाने एवं अभिव्यक्ति का मंच प्रदान करना है। जिला नोडल अधिकारी डॉ. क्रांति मिश्रा ने कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि आयोजक डॉ. मनीष प्रताप सिंह ने संचालन करते हुए युवाओं को लोकतंत्र की मजबूती का आधार बताया। कार्यक्रम के अंत में विजेता

प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह, प्रमाण पत्र एवं पुष्पमाला प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा अतिथियों को शाल-श्रीफत भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. गरिमा सिंह, अनीश तिवारी, डॉ. हरेश्वर राय, डॉ. नागेश अग्रवाल, डॉ. रूपा सिंह, डॉ. रविता सिंह सहित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

## ग्राम तिहाई में वरिष्ठ समाजसेवी एवं युवा उद्योगपति गुलाब शुक्ला का आगमन



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ग्राम तिहाई में आज वरिष्ठ समाजसेवी एवं युवा उद्योगपति गुलाब शुक्ला जी का आगमन हुआ, जहाँ ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर गांव के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पेयजल समस्या, मूलभूत सुविधाओं एवं अन्य आवश्यक कार्यों को लेकर गंभीर विचार-विमर्श हुआ। ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए गुलाब शुक्ला जी ने सरपंच श्री रेवती रमण दहिया को आश्वस्त किया कि पानी की समस्या सहित अन्य जरूरी कार्यों के समाधान हेतु हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर शास्त्री शांतिलाल पांडे, डॉ. तारा प्रसाद शुक्ला, सरपंच रेवती रमण दहिया, पटवारी डीडी सिंह, रिकू द्विवेदी,

वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र पांडे, वरिष्ठ पत्रकार संजय तिवारी, रामकृष्ण पांडे (तिहाई) सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने गुलाब शुक्ला जी के इस सकारात्मक पहल के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। क्षेत्रीय जनता का कहना है कि उनका एकमात्र उद्देश्य अपने लोगों की सेवा करना है, और वे निरंतर समाजहित में कार्य करते रहते हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में भी शुक्ला एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित हैं। महाराष्ट्र के पुणे में उनके पेट्रोल पंप एवं वेयरहाउस का व्यवसाय संचालित है। साथ ही सतना एवं रीवा में इंडियन गैस के प्लांट के माध्यम से भी वे रोजगार एवं सेवा के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। ग्राम तिहाई में उनका यह दौरा क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में नई उम्मीद जगी।

## मां-बहन के जेवर लेकर भागे युवक की हत्या जंगल में पत्थर से कुचलकर मार डाला, पास पड़ी थी शराब की बोतल और चिलम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान मैहर जिले के गोइया गांव निवासी अनिल पटेल (28) के रूप में हुई है। परिजन के अनुसार, अनिल 24 फरवरी को घर से मां और बहन के गहने और कैश लेकर चला गया था। इस मामले में अमदरा थाने में उसके खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। शुक्रवार शाम करीब 6 बजे, दुइहा गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर जंगल में नहर के किनारे ग्रामीणों ने खून से लथपथ शव देखा। सूचना मिलने पर



नागौद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस को शव की जेब से आधार कार्ड मिला, जिससे मृतक की पहचान हो सकी। पुलिस को आशंका-युवक को बहाने से बुलाकर हत्या पुलिस के मुताबिक, अनिल पटेल के सिर को पत्थर से कुचलकर हत्या की गई है। उसके शरीर पर

कई गंभीर चोटों के निशान भी मिले हैं। घटनास्थल से मृतक की बाइक, शराब की बोतल और गांजे की चिलम समेत अन्य सामग्री बरामद हुई है। पुलिस आशंका जता रही है कि आरोपियों ने अनिल को किसी बहाने से जंगल में बुलाया और शराब पिलाने के बाद इस वारदात को

अंजाम दिया। देर रात तक फोरेंसिक टीम, डॉग स्कॉड और साइबर सेल की टीम मौके पर जांच में जुटी रही। हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। परिजन से पूछताछ जारी है। आरोपी पर पहले से दर्ज हैं कई आपराधिक मामले पुलिस के मुताबिक अनिल अपनी बहन और मां के साथ रहता था। उसके पिता पहले ही गुजर चुके हैं। परिवार का कहना है कि अनिल बहन और मां के गहने और कुछ रुपए चोरी कर घर से बाहर ले गया था। नागौद थाना प्रभारी आशंका पंडेय ने बताया कि अनिल के खिलाफ अमदरा थाने में मारपीट सहित तीन आपराधिक प्रकरण पहले से दर्ज हैं।

## ओवरलोड वाहनों के खिलाफ ग्रामीणों का अनूठा प्रदर्शन, मिठाई खिलाकर किया स्वागत

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले के ग्राम सोनवारी में ग्रामीणों ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सड़कों पर दौड़ रहे भारी वाहनों से हो रहे लगातार हादसों और प्रशासन की कथित अनदेखी के विरोध में किया गया। ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर ओवरलोड ट्रकों और हाइवा को रोका। उन्होंने विरोध जताने के लिए झड़वों को फूलों की माला पहनाई, चंदन का तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन पर तंज कसते हुए झड़वों से कहा कि वे मैहर



प्रशासन के पूर्ण सहयोग से इस सड़क पर वाहन चला रहे हैं। उन्होंने प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठाए, जिसके कारण आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समाजसेवी उमाकांत उपाध्याय ने बताया कि ये ओवरलोड वाहन खुलेआम हादसों को

## प्रदेश में पर्यावरण-संरक्षण के संदेश के साथ मनेगी होली

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इस वर्ष होली पर्व को पर्यावरण-संरक्षण और सामाजिक सद्भाव के संदेश के साथ मनाया जाए। इसके लिए राज्य शासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे आपसी मतभेद धुलाकर भाईचारे, सामाजिक एकता और उन्नयन के साथ होली मनाएं। होलीका दहन में लकड़ी के स्थान पर गो-काष्ठ (उपलॉ) का अधिकाधिक उपयोग करें। प्रदेश सरकार द्वारा जारी निर्देश अनुसार जनसहयोग एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से प्रयास किया जाएगा कि, तहसील, नगरीय निकाय एवं पंचायत स्तर पर किया जाएगा।

न्योता दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हजारों शिकारियों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इस अनोखे विरोध प्रदर्शन ने पूरे क्षेत्र में व्यापक चर्चा छेड़ दी है, जिससे प्रशासन का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित होने की उम्मीद है।

## सब्जी मंडी, होटलों पर खाद्य विभाग का छापा, मिलावट रोकने के लिए कई जगह से लिए सैंपल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शहर में जांच अभियान चलाकर कई जगहों से खाने-पीने की चीजों के सैंपल लिए। सोनौरा रोड, डिलीरा बायपास की थोक सब्जी मंडी और गांधी सब्जी बाजार में अलग-अलग दुकानों से सैंपलों के नमूने जांच के लिए भेजे गए। फूड सेफ्टी ऑफिसर अभिषेक बिहारी गौड़, शीतल सिंह और अशोक कुर्मी ने रामबहोर संजय कुमार की दुकान से शिमला मिर्च, भिंडी और परवल के सैंपल लिए। साजन सब्जी किराना एंड जनरल स्टोर से पालक और बथुआ, वीरेंद्र कुमार आशीष कुमार की दुकान से फूलगोभी और बैंगन, सूरज खटौट से पता गोभी और अनंत ट्रेडिंग कंपनी से पालक, धनिया व



टमाटर के नमूने लिए गए। रिपोर्ट में गड़बड़ी आने पर होगी कार्रवाई अधिकारियों ने बताया कि सभी सैंपल सुरक्षित तरीके से जांच के लिए लैब भेज दिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद अगर किसी तरह की गड़बड़ी या मिलावट पाई जाती है तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। होली के त्योहार को देखते हुए जिले में शुद्ध और

सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए विभाग लगातार जांच कर रहा है इसी क्रम में सेमरिया चौक स्थित पदम स्वीट्स की दुकान का भी निरीक्षण किया गया पदम स्वीट्स से खोवा, गुजिया, पेड़ा, छेना रसगुल्ला और मगज लड्डू के सैंपल लिए गए। प्रशासन ने साफ कहा है कि अगर जांच में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## मीडियेशन फॉर नेशन कैम्पेन 2.0 के अंतर्गत राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में मीडियेशन फॉर नेशन कैम्पेन 2.0 के अंतर्गत जिला न्यायालयों में पदस्थ न्यायाधीशों के लिए राज्य स्तरीय रेफरल संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम दो चरणों में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह अभियान सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य मध्यस्थता योग्य प्रकरणों की समय पर पहचान, प्रभावी रेफरल तथा शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना है। यह प्रशिक्षण न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दूरदर्शी नेतृत्व तथा न्यायमूर्ति

विवेक रूसिया, प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं कार्यपालक अध्यक्ष, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम चरण 14 फरवरी 2026 को जबलपुर एवं भोपाल संभाग के न्यायिक अधिकारियों के लिए तथा द्वितीय चरण 28 फरवरी 2026 को इंदौर एवं ग्वालियर संभाग के अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया। इस प्रकार राज्य की संपूर्ण जिला न्यायपालिका को इस पहल से जोड़ा गया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इन सत्रों का संचालन गिरिबाला सिंह, पूर्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिक्रमण फोरम, भोपाल एवं वरिष्ठ प्रशिक्षक, मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति द्वारा किया गया।

## कबाड़ बीनने वाले युवक की मौत, पत्नी का आरोप-पति की हत्या कर पैसे लेकर फरार हुआ युवक, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र में एक 40 वर्षीय कबाड़ बीनने वाले व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश साकेत (पिता मथुरा प्रसाद) के रूप में हुई है, जो पिछले कुछ समय से रामपुर बघेलान के बटिया क्षेत्र में रहकर कबाड़ इकट्ठा करने का काम करता था। परिजनों के अनुसार, राजेश शुक्रवार शाम करीब 7 बजे अपने काम से लौटा था। घर लौटने के कुछ ही देर बाद गांव का एक युवक देवेन्द्र पटेल उसे अपने साथ यह कहकर ले गया कि वह थोड़ी देर में वापस छोड़ देगा। देर रात तक राजेश घर नहीं लौटा, जिससे उसकी पत्नी चिंतित हो गई। परिजन उसकी तलाश साकेत रहे। शनिवार दोपहर गांव के एक युवक ने सूचना दी कि राजेश पेट्रोल पंप के सामने



सड़क पर अचेत अवस्था में पड़ा है। परिजन तत्काल उसे जिला अस्पताल सतना ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पत्नी लीला साकेत ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके पति की हत्या की गई है। उन्होंने बताया

कि राजेश के पास फेरी से कमाए हुए पैसे थे, जिन्हें साथ ले जाने वाला युवक लेकर फरार हो गया है। लीला साकेत ने मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## दिव्यांग बच्चों के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया होली मिलन समारोह, प्रेम, सौहार्द और एकता का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय न्यास, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से पंजीकृत राज रानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित उमंग दिशा एवं विकास डे केयर सेंटर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी होली मिलन समारोह का भव्य एवं पारंपरिक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास, उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में केंद्र के सभी दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को रंग एवं गुलाल लगाकर होली पर्व की खुशियों साझा कीं तथा आपसी प्रेम, सौहार्द, भाईचारा एवं एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर विशेष शिक्षिकाओं ने बच्चों को होली पर्व के सांस्कृतिक,



सामाजिक एवं आध्यात्मिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा

जीवन में रंगों के सकारात्मक प्रभाव एवं उनके प्रतीकात्मक महत्व को सरल

एवं प्रेरणादायक रूप में समझाया। संस्था की संस्थापिका मती रानी सिंह जी, अध्यक्ष अजय सिंह जी एवं सचिव संजय सिंह जी ने दिव्यांग बच्चों के साथ गुलाल लगाकर उन्हें होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्वल भविष्य, आत्मनिर्भरता एवं समग्र विकास के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम दिव्यांग बच्चों में आत्मविश्वास, सामाजिक सहभागिता एवं भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने रंगों के साथ आनंदपूर्वक समय व्यतीत किया, जिससे उनके चेहरे पर खुशी एवं आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस अवसर पर सहसंचालिका

मती दीप्ति सिंह परिहार, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. दिलीप दीपकर, विशेष शिक्षिकाएं मती नीता रजक, उषा सिंह, साधना पांडे, मती पूनम मिश्रा, मती रंजना सिंह, मती तरन्नुम, मती निशा, राजेश सिंह, मती निर्मला सिंह, सागर चमकेल सहित अन्य स्टाफ सदस्य एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उनके भीतर आत्मविश्वास मूल्यों से अवगत कराना रहा। अंत में सभी ने मिलकर बच्चों के उज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना की तथा होली के इस पावन अवसर को प्रेम, सद्भाव एवं सकारात्मकता के साथ मनाया।

मती दीप्ति सिंह परिहार, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. दिलीप दीपकर, विशेष शिक्षिकाएं मती नीता रजक, उषा सिंह, साधना पांडे, मती पूनम मिश्रा, मती रंजना सिंह, मती तरन्नुम, मती निशा, राजेश सिंह, मती निर्मला सिंह, सागर चमकेल सहित अन्य स्टाफ सदस्य एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उनके भीतर आत्मविश्वास मूल्यों से अवगत कराना रहा। अंत में सभी ने मिलकर बच्चों के उज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना की तथा होली के इस पावन अवसर को प्रेम, सद्भाव एवं सकारात्मकता के साथ मनाया।

## जय स्तंभ चौक व्यापारी संघ द्वारा पद्मश्री डॉ. बी. के. जैन के निधन पर शोक व्यक्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जय स्तंभ चौक व्यापारी संघ ने भारत के रतन और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. बी. के. जैन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इसे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। संघ के अध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि डॉ. जैन का योगदान समाज के हर क्षेत्र में अनमोल था, और उनका निधन न केवल व्यापारी समुदाय बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यधिक दुःखद घटना है। महामंत्री आशीष मोंगिया ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. जैन की कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण उनकी छाप



हमेशा हमारे दिलों में रहेगी। कोषाध्यक्ष संदीप जैन ने डॉ. जैन की महानता को व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा समाज में किए गए कार्यों को कभी नहीं भुलाया जा सकता। धर्मद गोयल और गौरव अग्रवाल ने भी शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की। बलराम शुक्ला, प्रदीप खिलवानी, और अभिषेक जैन ने अपनी संवेदनाएं प्रकट की और कहा कि इस समय उनके परिवार को संबल प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।